राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,12 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–315 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के पहले चरण का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 520 किलोमीटर लंबे हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के पहले चरण का उद्घाटन किया, जो नागपुर और शिरडी को जोड़ता है।

10 जिलों से होकर गुजरता है महामार्ग

701 किलोमीटर की कुल लंबाई वाले महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग लगभग 55,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। यह भारत के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक है, जो महाराष्ट्र के 10 जिलों और अमरावती, औरंगाबाद और नासिक के प्रमुख शहरी क्षेत्रों से होकर गुजरता है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

इससे पहले, पीएम मोदी ने नागपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन नागपुर और बिलासपुर के बीच चलेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 590 करोड़ रुपये और 360 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किए जाने वाले नागपुर रेलवे स्टेशन और अजनी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी।

नागपुर मेट्रो पर सवार हुए पीएम मोदी

इसके बाद पीएम मोदी ने फ्रीडम पार्क से खपरी तक नागपुर मेट्रो की सवारी की। इस दौरान उन्होंने छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने नागपुर मेट्रो के फ्रीडम पार्क स्टेशन पर अपना टिकट खरीदा।

इससे पहले, पीएम मोदी के नागपुर पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, सीएम शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने उनका स्वागत किया।

55 हजार करोड़ की लागत

समृद्धि महामार्ग या नागपुर-मुंबई सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे परियोजना देश भर में बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

यह भारत के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक है, जो महाराष्ट्र के 10 जिलों और अमरावती, औरंगाबाद और नासिक के प्रमुख शहरी क्षेत्रों से होकर गुजरता है। समृद्धि महामार्ग महाराष्ट्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में गेम-चेंजर साबित होगा।

24 जिलों के विकास में मदद करेगा एक्सप्रेसवे

पीएमओ ने एक बयान में कहा, एक्सप्रेसवे आसपास के 14 अन्य जिलों की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। इस प्रकार विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र के क्षेत्रों सहित राज्य के लगभग 24 जिलों के विकास में मदद करेगा।

पर्यटन स्थलों से जुड़ेगा एक्सप्रेसवे

पीएम गति शक्ति के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित कार्यान्वयन के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए समृद्धि महामार्ग दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और अजंता एलोरा गुफाओं, शिरडी, वेरुल, लोनार आदि जैसे पर्यटन स्थलों से जुड़ जाएगा।

● **यह ट्रेन नागपुर और बिलासपुर के बीच चलेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 590 करोड़ रुपये और 360 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किए जाने वाले नागपुर रेलवे स्टेशन और अजनी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी।**

नागपुर मेट्रो के पहले चरण का उद्घाटन

शहरी गतिशीलता में क्रांति लाने वाले एक और कदम के तहत प्रधानमंत्री नागपुर मेट्रो के पहले चरण को राष्ट्र को समर्पित किया। वह खपरी मेट्रो स्टेशन पर दो मेट्रो ट्रेनों- खपरी से ऑटोमोटिव स्क्वायर (ऑरेंज लाइन) और प्रजापति नगर से लोकमान्य नगर (एक्वा लाइन), को हरी झंडी भी दिखाई।

8650 करोड़ की लागत

नागपुर मेट्रो के पहले चरण को 8650 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री ने 6700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाले नागपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास भी किया।

भूपेंद्र आज दूसरी बार लेंगे सीएम पद की शपथ, पीएम मोदी और अमित शाह भी रहेंगे मौजूद

गांधीनगर। पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इससे पहले, केंद्रीय पर्यवेक्षकों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीएस येदियुरप्पा व अर्जुन मुंडा की मौजूदगी में विधायकों की बैठक में पटेल को नेता चुना गया। भूपेंद्र पटेल 12 दिसंबर को लगातार दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उन्हें शनिवार को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा राज्य में रिकॉर्ड लगातार सातवीं बार सरकार बनाने जा रही है। पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इससे पहले, केंद्रीय पर्यवेक्षकों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीएस येदियुरप्पा व अर्जुन मुंडा की मौजूदगी में विधायकों की बैठक में पटेल को नेता चुना गया।

पीएम मोदी-शाह पहुंचेंगे

सोमवार दोपहर दो बजे होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपाशासित राज्यों के सीएम, केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे। पटेल के साथ करीब 20 काबीना मंत्री शपथ ले सकते हैं।

समान नागरिक संहिता प्राथमिकता-पहली कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता पर फैसले के सवाल पर पटेल ने कहा, समिति बनाई गई है। उसकी सिफारिशों के आधार पर काम करेंगे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने वाराणसी में साइकिल चलाकर दिया फिट रहने का संदेश

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रविवार अलसुबह केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने साइकिल रैली निकाल पर्यावरण संरक्षण के साथ समाज को स्वस्थ व फिट रहने का संदेश दिया। विश्व यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे के अवसर पर छावनी क्षेत्र स्थित एक होटल से निकली साइकिल रैली का समापन मलदहिया चौराहे पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर हुआ।

इस मौके पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि रैली का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और अपने को स्वस्थ व फिट रखना है। अगर कुछ दूर तक जाना हो तो साइकिल से बेहतर साधन कुछ नहीं हो सकता। रैली में पिंडरा

विधायक डॉ. अवधेश सिंह, भाजपा के स्थानीय जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा सहित अन्य नेताओं के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी शामिल रहे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने अपनी पत्नी के साथ काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव और बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन और पूजन किया। मंत्री ने विधि-विधान से पूजन किया और विश्वनाथ धाम को भी निहारा। धाम की भव्यता को देखकर केन्द्रीय मंत्री अभिभूत नजर आए। इसके बाद उन्होंने मंदिर चौक में पत्नी के साथ फोटो भी खिंचवाई। दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पहले दिन रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स कान्फ्रेंस में भी भाग लिया।

राहुल गांधी ने रविवार को बलदेवपुरा से शुरू की अपनी यात्रा

बूंदी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज सुबह करीब छह बजे बूंदी जिले में अपनी यात्रा कापरेन के नजदीक बलदेवपुरा से शुरू की।

श्री राहुल गांधी अपनी भारत यात्रा के साथ रवाना हुए तब कुछ अंधेरा होने के बावजूद उनका स्वागत करने के लिए लालसोट मेगा हाईवे पर लोग जुटने लगे। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में ग्रामीण जिनमें महिलाएं और युवक-युवतियां भी जिस समय राहुल गांधी वहां से गुजर रहे थे तो वे उनके स्वागत के लिए मौजूद थे। उन्होंने हाथ हिलाकर राहुल गांधी का अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस काफिले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश के साथ शामिल हुए और राहुल गांधी से कुछ पीछे चल रहे थे। उनके साथ कदमताल मिलाते हुये हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लिए कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता चल रहे थे। कुछ दूरी का सफर करने के बाद सेवादल का नया कार्यकर्ता पहले से चल रहे कार्यकर्ता के पास

पहुंच जाता था और राष्ट्रीय ध्वज को सैल्यूट करके अपने हाथ में थाम कर आगे की ओर बढ़ रहा था और बदल-बदल कर यह सिलसिला लगातार चलता ही जा रहा था।

यात्रा में श्री राहुल गांधी ने कुछ मौकों पर युवाओं को अपने पास बुलाकर उनसे बातचीत की। कुछ युवतियां 4-5 के समूह में राहुल गांधी के पास पहुंची औरउनसे बात की उनके साथ फोटो खिंचवाये। रास्ते में एक महिला भीमराव अम्बेडकर का चित्र लेकर राहुल गांधी के पास पहुंची जो यह चित्र उनको भेंट करना चाहा। करीब दो किलोमीटर के सफर के बाद कुछ किसान राहुल गांधी के पास आए और उन्होंने किसानों की समस्याओं के बारे में राहुल गांधी से बातचीत करते हुए उन्हें हालात से अवगत कराया। उनके हाथों में कुछ कागजात भी थे जिन्हें उन्होंने राहुल गांधी को दिखाया भी। राहुल गांधी ने कुछ देर तक उनकी बातों को गौर से सुना और उनसे बात की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं ।

प्रणव मुखर्जी को नमन किया शिवराज ने

भोपाल। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की जयंती पर आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें नमन करते हुए उनका स्मरण किया है।

श्री चौहान ने ट्वीट के जरिए लिखा है, भारत रत्न से सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणव मुखर्जी जी की जयंती पर कोटिश~ नमन करता हूं। कठिन परिस्थितियों में भी राजनीति के उच्च आदर्शों का पालन करने वाले आप जैसे नेता सदैव युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे।

श्री चौहान ने ट्वीट के माध्यम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस की जयंती पर उनका भी स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। श्री चौहान ने लिखा है कि श्री देवरस के राष्ट्रवादी विचार सदैव देश और समाज के उन्नति के लिए हम सबको प्रेरित करते रहेंगे।

उपचुनाव परिणाम मुस्लिमों को गुमराह करने की साजिश-मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट और दो विधानसभा क्षेत्रों में संपन्न उपचुनाव के परिणामों को प्रायोजित करार देते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कहा कि अप्रत्याशित परिणाम मुस्लिम समाज को गुमराह करने के लिये सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) की मिलीभगत की ओर इशारा कर रहे हैं।

सुश्री मायावती ने रविवार को कहा कि उपचुनाव के परिणाम अप्रत्याशित हैं जो मुस्लिम समाज को गुमराह करने वाले प्रतीत हो रहे हैं। उन्होने मुस्लिम समाज को

इस बारे में चिंतन की सलाह दी है।

उन्होने ट्वीट किया यूपी के मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में सपा की हुई जीत किन्तु रामपुर विधानसभा उपचुनाव में श्री आज़म ख़ान की ख़ास सीट पर योजनाबद्ध कम वोटिंग करवा कर सपा की पहली बार हुई हार पर यह चर्चा काफी गर्म है कि कहीं यह सब सपा व भाजपा की अन्दरुनी मिलीभगत का ही परिणाम तो नहीं।÷

बसपा सुप्रीमो ने कहा . इस बारे में ख़ासकर मुस्लिम समाज को काफी चिन्तन करने व समझने की भी ज़रूरत है ताकि आगे होने वाले चुनावों में धोखा खाने से बचा जा सके। खतौली विधानसभा की सीट पर भाजपा की हुई हार को भी लेकर वहाँ काफी सन्देह बना हुआ है, यह भी सोचने की बात है।

गौरतलब है कि आठ दिसम्बर को संपन्न मैनपुरी लोकसभा और खतौली एवं रामपुर विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस और बसपा ने हिस्सा नहीं लिया था। मैनपुरी उपचुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को भारी बहुमत से जीत मिली थी और सपा का इस सीट पर कब्जा बरकरार रहा हालांकि सपा को रामपुर विधानसभा के रूप में अपनी परंपरागत सीट को भाजपा के हाथों गंवाना पड़ा था वहीं मुजफ्फरनगर के खतौली क्षेत्र में सपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की जीत हुयी थी। इस सीट पर चुनाव भाजपा के विक्रम सिंह सैनी को विधानसभा में अयोग्य ठहराने के बाद कराना पड़ा था।

टीवी डिबेट में सीएम योगी पर की टिप्पणी तो पुलिस ने सपा नेता पर दर्ज कर ली एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ एक टीवी डिबेट में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में दर्ज एक मामले में लखनऊ पुलिस ने समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया के लखनऊ स्थित घर पर नोटिस चस्पा कर उन्हें फरार घोषित कर दिया है। बीजेपी प्रवक्ता हीरो बाजपेयी द्वारा हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद अनुराग भदौरिया पर 12 नवंबर को केस दर्ज किया गया था। बाजपेयी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि भदौरिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की जिसने हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। भदौरिया ने कथित तौर पर एक टीवी चैनल पर चर्चा के दौरान बहस में यह टिप्पणी की थी।

लखनऊ पुलिस की एक टीम ने इंदिरा नगर स्थित सपा प्रवक्ता के घर पर सीआरपीसी की धारा 82 (भगोड़े व्यक्ति के लिए उद्घोषणा) के तहत नोटिस चस्पा कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्थानीय अदालत के आदेशों के अनुसार ही नोटिस चिपकाया गया है। उन्होंने कहा कि

आरोपी अनुराग भदौरा को 30 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करना होगा।

दिल्ली मेयर चुनाव में समर्थन के बदले आम आदमी पार्टी ने दिया ये ऑफर, भाजपा पार्षद का गंभीर आरोप

एसीपी (हजरतगंज) अरविंद कुमार वर्मा ने कहा, कानून के प्रावधानों के तहत, नोटिस उन जगहों पर चिपकाया जाता है जहां आरोपी रहता है या जिससे उसके मिलने की संभावना होती है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को उसे फरार घोषित करने का आदेश एक स्थानीय अदालत ने जारी किया था।

भदौरिया पर आईपीसी की धारा 153-ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295-ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा), 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से बोलना, शब्द आदि), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 505 (2) (अफवाह फैलाने वाला कोई भी बयान या रिपोर्ट प्रकाशित या प्रसारित करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बीएनपी को बांग्लादेश के कट्टरपंथी मुस्लिम मौलानाओं और जमाते-इस्लामी का भी भरपूर समर्थन है। बांग्लादेश की बीएनपी की नेता बेगम खालिदा जिया ने घोषणा की है कि शेख हसीना सरकार के राज में मंहगाई आसमान छू रही है लोग बेरोजगार हो रहे हैं विदेश व्यापार घट गया है और सरकार भारत के इशारों पर नाचने लगी है। वह बांग्लादेशी मुसलमानों के हितों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं करती है।

बांग्लादेश में हसीना का विरोध ?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

बांग्लादेश में भी शेख हसीना सरकार के खिलाफ उसी तरह प्रदर्शन होने शुरु हो गए हैं जैसे कि श्रीलंका और म्यांमार की सरकारों के विरूद्ध हुए थे। म्यांमार की फौज ने वहां तो डंडे के जोर पर जनता को ठंडा कर दिया है लेकिन श्रीलंका की सरकार को चुनावों में मात खानी पड़ी है। 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' ने दावा किया है कि उसके प्रदर्शनों में दस लाख लोग जमा हुए हैं और उन्होंने हसीना से इस्तीफा मांगा है। उनका कहना है कि 2024 में चुनाव होने तक ढाका में कोई कार्यवाहक सरकार नियुक्त की जाए। बीएनपी के सातों सांसदों ने अपने इस्तीफों की घोषणा कर दी। उन्होंने मांग की है कि चुनाव तुरंत करवाएं जाएं। शेख हसीना ने हर बार धांधली करके चुनाव जीता है। बीएनपी को बांग्लादेश के कट्टरपंथी मुस्लिम मौलानाओं और जमाते-इस्लामी का भी भरपूर समर्थन है। बांग्लादेश की बीएनपी की नेता बेगम खालिदा जिया ने घोषणा की है कि शेख हसीना सरकार के राज में मंहगाई आसमान छू रही है लोग बेरोजगार हो रहे हैं विदेश व्यापार घट गया है और सरकार भारत के इशारों पर नाचने लगी है। वह बांग्लादेशी मुसलमानों के हितों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं करती है। रोहिंग्या मुसलमानों पर म्यांमारी अत्याचार और भारतीय अन्याय पर हसीना सरकार की चुप्पी बहुत ही निंदनीय है। इन सब आरोपों के बावजूद खालिदा जिया की इस रैली के मुकाबले हसीना द्वारा आयोजित चिटगांव और कॉक्स बाजार की रैलियों में कई गुना लोग शामिल हुए थे। 10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस पर आयोजित इस बीएनपी रैली का उद्देश्य यह भी था कि उसे अमेरिका और यूरोपीय देशों का सहयोग भी मिलेगा लेकिन इन देशों के कई नेताओं और अखबारों ने खालिदा की पार्टी और जमात पर उनके शासन काल में भ्रष्टाचार और आतंकवाद फैलाने के आरोप लगाए थे। इन दोनों पार्टियों को बांग्लादेश की जनता पाकिस्तानपरस्त समझती है। 1971 में पाकिस्तानी फौज के द्वारा की गई हत्याओं अत्याचार और बलात्कार को बांग्ला जनता अभी भी पूरे दर्द के साथ याद करती है। भारत के प्रति आम बांग्लादेशी जनता में अभी भी आभार का भाव है। भारत ने बहुत-से टापू ढाका को दे दिए थे यह भी भारत की उदारता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भारत सरकार ने बांग्लादेशियों की सहायता उसी उत्साह से की है जैसी वह अपने नागरिकों की करता है। हसीना सरकार ने भी भारत के उत्तर-पूर्वी प्रांतों को समुद्र तक पहुंचने की थल-मार्ग सुविधा दे रखी है। जबकि खालिदा-सरकार के ज़माने में असम और मणिपुर के आतंकवादियों को ढाका ने भरपूर मदद की थी। खालिदा और जमात के कारनामों से बांग्लादेश के हिंदू बहुत डरे हुए हैं लेकिन ऐसा नहीं लगता कि नेपाल और श्रीलंका की तरह बांग्लादेश में भी सरकार बदलने की परिस्थितियां तैयार हो गई है।

सूक्ति

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है।
- गुरु नानक

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
- तुलसीदास

लॉफिंग ज़ोन

पति ने अपनी नई-नवेली दुल्हन से कहा, 'प्रिय ! शादी से पहले मैं काफी आवारागर्दी किया करता था, क्या तुम भी शादी से पहले कुछ ऐसा-वैसा करती थी?'

पत्नी ने थोड़ा शरमाते हुए कहा, 'बिना गुण मिले शादी थोड़े ही होती हैं.'

☺ ☺ ☺

दो स्त्रियां बातें कर थीं. एक बोली, 'सामने मकान में वह जो खूबसूरत लड़का रहने आया है उसने कल मुझे चांद कहा.'

दूसरी (हैरान होकर), 'तुम्हें? वह कैसे?'

पहली, 'कल मेरी बेटी जब उसके सामने से गुजरी तो उसने कहा, हाय :क्या चांद का टुकड़ा है.'

☺ ☺ ☺

मरे पति की कब्र पर पत्नी ने संगमरमर का पत्थर लगवाया, जिस पर लिखा था, 'शांति से सोते रहो.' लेकिन तीन दिन बाद जब वसीयत खुली और पत्नी को पता लगा कि पति उसके नाम कुछ भी छोड़कर नहीं गया तो वह दोबारा कब्रिस्तान गई और पत्थर पर यह शब्द भी खुदवा दिए, 'जब तक मैं नहीं आ जाती.'

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी का 2 लाख रुपए का बीमा करवाया और पेपरों पर हस्ताक्षर करते हुए उसने बीमा एजेंट से पूछा, 'अगर भगवान न करे कल मेरी पत्नी इस दुनिया से चल बसती है तो ऐसी सूरत में मुझे क्या मिलेगा?' 'ज्यादा से ज्यादा फांसी की सजा.'

बीमार सोच से होनी चाहिए लड़ाई

विश्वनाथ सचदेव

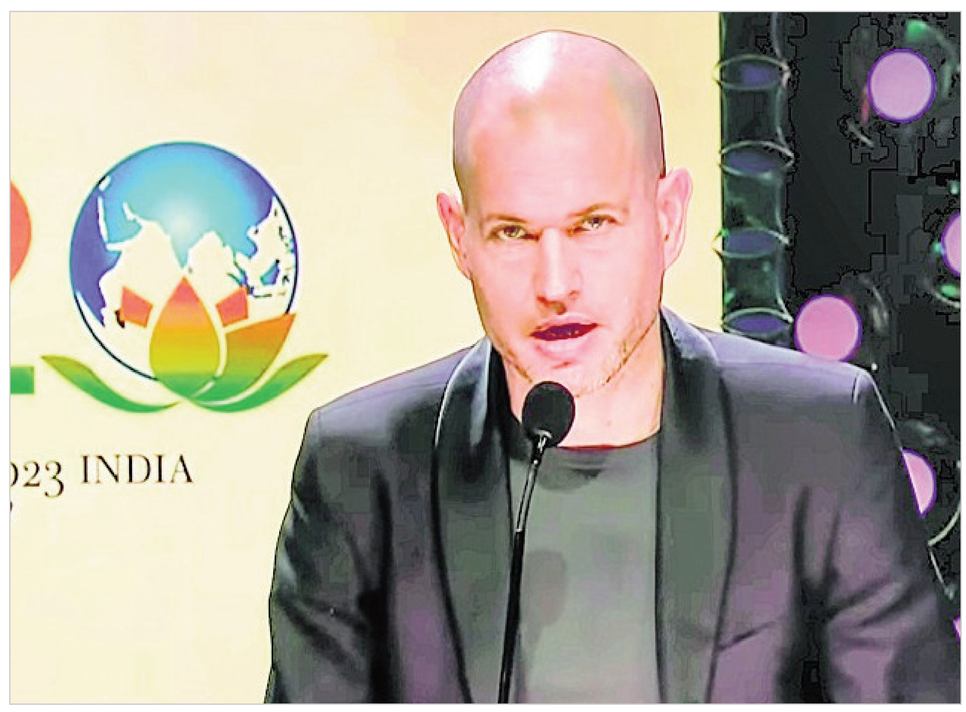

लगभग साल भर पहले सिनेमाघरों में प्रदर्शित फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फिर चर्चा में है। इस बार विवाद इस बात पर नहीं है कि फिल्म में दिखाया क्या गया, बल्कि विवाद एक बयान को लेकर हो रहा है जो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के एक इस्राइली फिल्मकार ने दिया है। गोवा में आयोजित 'इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया' के जूरी के अध्यक्ष नादेव लापिड ने 'कश्मीर फाइल्स' के बारे में एक तीखी टिप्पणी की थी। फेस्टिवल में दिखाई गयी पंद्रह फिल्मों में से एक इस फिल्म को उन्होंने 'वल्गर' और 'प्रोपेगेंडा' फिल्म कहकर इस पर सवाल उठाया था कि इसे पंद्रह फिल्मों में शामिल क्यों किया गया। उनके इस बयान पर कुछ तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आयी हैं। ये दोनों शब्द उन्हें स्वीकार्य नहीं हैं जो नब्बे के दशक में हुए कश्मीरी पंडितों के संहार और पलायन से व्यथित हैं। कुछ को तो इस्राइली फिल्मकार के बयान के पीछे 'अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र' भी दिख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कश्मीरी पंडितों का संहार और पलायन हमारे समय का एक ऐसा सच है जिससे मनुष्यता कलंकित हुई है। इस कांड का किसी भी दृष्टि से समर्थन नहीं किया जा सकता। लेकिन समर्थन इस बात का भी नहीं होना चाहिए कि एक फिल्म को लेकर की गयी टिप्पणी मनुष्यता के खिलाफ अभियान का हिस्सा मान ली जाये। लापिड ने टिप्पणी फिल्म की विषय-वस्तु के प्रभाव के बारे में की थी, तथ्य की वास्तविकता के बारे में नहीं। उन्होंने फिल्म की तथ्यात्मकता के बारे में भी उंगली नहीं उठायी है। ऐसे में, अभिव्यक्ति के उनके अधिकार पर सवालिया निशान लगाना आसानी से समझ में आने वाली बात नहीं लगती। गोवा फिल्म फेस्टिवल के जूरी के अध्यक्ष के नाते लापिड ने जो कुछ कहा, वह उनके अधिकार-क्षेत्र में आता है। इस संदर्भ में इस्राइली राजदूत की टिप्पणी भी कुछ हैरान ही करती है। शायद अपने देश के राजनयिक हितों को देखते हुए उन्होंने लापिड के कथन की आलोचना की होगी, पर उनका यह कहना कि लापिड के कथन से वे शर्मिंदा हैं, आसानी से समझ नहीं आता। राजदूत की इस टिप्पणी का जवाब देते हुए लापिड ने उनके इस बयान पर शर्मिंदगी प्रकट की है। उन्होंने कहा है, 'अपने देश के राजनयिक के विचार पढ़कर मुझे बेहद शर्मिंदगी महसूस हो रही है। मैं स्वयं से पूछता हूं कि जब कक्षा में लोकतंत्र और बोलने की आज़ादी का पाठ पढ़ाया जा रहा था तब यह व्यक्ति क्या कर रहा था?... जब मैं कुछ देखता और महसूस करता हूं तो राज्य के स्वार्थों की खातिर उसके ठीक उलट बोलने से बड़ा फासीवादी विचार और क्या हो सकता है?' अभिव्यक्ति की आज़ादी का अधिकार हमारे संविधान ने हमें दिया है। 'कश्मीर फाइल्स' फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को पूरा अधिकार है कि वे हमारे समय का एक भीषण सच फिल्म के माध्यम से दुनिया के सामने लायें। तीस साल पहले कश्मीरी पंडितों के साथ जो कुछ हुआ वह दुनिया के सामने आना ही चाहिए। दुर्भाग्य से, आज भी कश्मीर में स्थितियां सामान्य नहीं हैं। कश्मीरी पंडित आज भी आतंकवादियों के निशाने पर हैं। यह स्थिति बदलनी ही चाहिए। इस्राइली फिल्मकार ने फिल्म की आलोचना करते हुए कहीं भी कश्मीरी पंडितों के साथ हुए अत्याचार का समर्थन नहीं किया है। कश्मीरी पंडितों के साथ जो कुछ हुआ, विवेक अग्निहोत्री ने उसे बड़ी कुशलता से पर्दे पर दिखाया है, और दर्शकों का पूरा प्रतिसाद भी फिल्म को मिला है। जो फिल्म में चित्रित किया गया है उससे किसी को शिकायत नहीं होनी चाहिए। शिकायत तो उससे है जो चित्रित नहीं किया गया। एकांगी हो गयी है फिल्म। अभिव्यक्ति की सच्चाई का तकाज़ा यह भी है कि अधूरा नहीं, पूरा सच दिखाया जाये। अधूरा सच मंतव्य पर सवाल खड़ा करता है। 'कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्में पूरा सच दिखा कर समाज की सोच को सकारात्मक बनाने में मदद कर सकती हैं। यही उद्देश्य भी होना चाहिए ऐसी फिल्मों का। लेकिन जब पूरी सच्चाई को सामने न लाकर आधा-अधूरा सच परोसा जाता है तो परोसने वाले का इरादा सवालों के घेरे में आ जाता है। हर मौत एक त्रासदी है।

कश्मीर में मारा जाने वाला हर नागरिक एक सवालिया निशान बन कर हमारी व्यवस्था के सामने खड़ा हो जाता है। कश्मीर में मारा जाने वाला हर व्यक्ति, चाहे वह हिंदू है या मुसलमान, इस देश से सुरक्षित जीवन मांगने का हकदार है। कश्मीर में 1990 के बाद से कितने हिंदू मरे और कितने मुसलमान मरे, इस पर मतभेद हो सकता है, पर इस सारे घटनाक्रम की कीमत निस्संदेह मानवता को ही चुकानी पड़ती है। देश में विवेक की आवाज़ ऐसी हर मौत के विरोध में खड़ी होनी चाहिए। ऐसे विरोध का आधार धर्म या जाति नहीं होना चाहिए, निस्संदेह जनतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का भाव होना चाहिए इसके पीछे। रक्षा के इसी भाव का तकाज़ा है कि किसी से उसका अभिव्यक्ति का अधिकार न छीना जाये। गोवा में बयान देने के बाद नादेव लापिड को जिस तरह से निशाने पर लिया जा रहा है, वह व्यक्ति के जनतांत्रिक अधिकार का अतिक्रमण ही है। लापिड और उनके सहयोगी जूरी सदस्यों ने कुछ भी ऐसा नहीं कहा है जिससे यह लगे कि फिल्म में जो कुछ दिखाया गया, वह उसे दिखाये जाने के विरुद्ध हैं। सच तो यह है कि उन्होंने जो कुछ कहा, वैसी ही बातें भारतीय फिल्म-समीक्षक भी कहते रहे हैं। यदि इस्राइल, स्पेन और फ्रांस के जूरी सदस्य आतंकवाद के समर्थक कहे जा रहे हैं तो फिल्म की आलोचना करने वाले भारतीय समीक्षकों को भी आतंकवाद का पक्षधर कहना होगा! 'कश्मीर फाइल्स' फिल्म में जो कुछ दिखाया गया वह शत-प्रतिशत सच हो सकता है, वह पूरा सच नहीं है। वस्तुतः ऐसी फिल्मों का महत्व और बढ़ जायेगा जब पूरा सच दिखाया जायेगा। कश्मीर में हिंदू भी मर रहे हैं, मुसलमान भी। देश में बाकी जगहों पर हो रहे सांप्रदायिक दंगों में भी मरता भारतीय नागरिक ही है। ऐसे हर भारतीय की रक्षा की कोशिश होनी चाहिए। सांप्रदायिकता फैलाने वाली हर कोशिश को नाकामयाब बनाने की ज़रूरत है। यह काम समाज को भी करना है, और सरकार को भी। सच तो यह है कि समाज को ज़्यादा जागरूक रहने की ज़रूरत है। सवाल मानवीय अधिकारों की रक्षा का है, एक फिल्म का नहीं। 'कश्मीर फाइल्स' फिल्म के प्रदर्शन के बाद समाज में जिस तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आयी थीं, वे एक जनतांत्रिक एवं जागरूक समाज के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार करने वाले धर्म विशेष के ही नहीं, आतंकवादी थे।

आतंकवाद इस देश का दुश्मन है, संकीर्ण सोच से भी खतरा है देश को। हमारी लड़ाई किसी फिल्म वाले से नहीं, इस बीमार सोच से होनी चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सब कुछ ख़त्म हो जाने के बाद भी दमखम दिखाते कांग्रेस प्रवक्ताओं के साहस को सलाम

(लेखक- तुषार कोठारी)

हाल में हुए तीन बडे चुनावों में से दो स्थानों पर कांग्रेस का अस्तित्व लगभाग समाप्त हो गयालेकिन टीवी की बहसों में आने वाले कांग्रेस प्रवक्ता पूरे दम खम से कांग्रेस की सफलता गिनाने में लगे है। निश्चित ही उनके साहस को सलाम किया जाना चाहिए। वे इस बात से खुश है कि हिमाचल विधानसभा चुनाव जीतने के साथ वे राजस्थान और छत्तीसगढ की एक एक विधानसभा सीट का उपचुनाव भी जीते है और दूसरी तरफ इन उपचुनावों की कुल पांच विधानसभा सीटों में से भाजपा सिर्फ दो सीटें जीती हैजबकि तीन पर हार गई है। वे इससे भी खुश है कि उत्तरप्रदेश में मैनपुरी लोकसभा सीट का उपचुनाव भी भाजपा हार गई है। लेकिन उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है की दो महत्वपूर्ण राज्यों में उनका अस्तित्व समाप्त होने की कगार पर जा पंहुचा है। देश में पिछले आठ सालों में हुए दर्जनों चुनावों में कांग्रेस को लगातार पराजय पर पराजय मिल रही है। जब भी किसी चुनाव के परिणाम आने वाले होते हैकांग्रेस प्रवक्ताओं की तैयारी शुरु हो जाती है। उनका साहस देखिए कि वे जानते है कि अगले दिन आने वाले नतीजे उनके लिए शर्मनाक होंगेलेकिन वे अपने वाक्पटुता से पराजय के दर्द को न सिर्फ नदारद कर देते है बल्कि चुनाव जीत रही भाजपा के मत प्रतिशत में एकाध प्रतिशत की कमी जैसे मुद्दों को उठाकर प्रसन्नता प्रदर्शित करने लगते है। अपने नेता की लगभग मूर्खता भरी बातों को सही साबित करने में भी वे कोई कोर कसर नहीं छोडते। दो महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनाव को छोडकर यात्रा निकाल रहे अपने नेता के चुनाव प्रचार में ना जाने तक को वे तर्कसंगत बताने में परहेज नहीं करते। कई सारे लोगों के टीवी की बहसों में कांग्रेस प्रवक्ताओं को वक्तव्य सुनना आज सबसे बडा मनोरंजन का साधन बन चुका है। हाल ही में आए नतीजों के बाद अलग अलग टीवी चैनलों पर मौजूद कांग्रेस प्रवक्ताओं के वक्तव्य इतने मनोरंजक थे कि सुनने वालों को किसी जबर्दस्त कामेडी शो को देखने का आनन्द मिल रहा था। कांग्रेस के पास ऐसे साहसी प्रवक्ताओं की पूरी फौज है। सुप्रिया श्रीनेतअभय दुबेगौरव वल्लभपवन खेडाअखिलेश प्रताप सिंहरोहन गुप्ताअलोक शर्मा आदि ऐसे साहसी प्रवक्ता हैजो कांग्रेस की किसी भी अप्रिय स्थिति में कांग्रेस का बचाव करने को तैयार रहते है। हाल के चुनावों में दो महत्वपूर्ण राज्यों दिल्ली और गुजरात में कांग्रेस का अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका है। इतनी विकट परिस्थिति में भी ये प्रवक्ता ऐतिहासिक रेकार्डतोड जीत दर्ज करने वाली भाजपा को तो गलत साबित करने की कोशिश करते ही हैजनादेश देने वाले मतदाताओं के जनादेश को भी गलत साबित करने में संकोच नहीं करते। गुजरात चुनाव के नतीजों के बाद टीवी चैनलों पर चल रही बहस में लगभग सभी प्रवक्ता इसी लाइन पर चल रहे थे। गुजरात जैसे राज्य के मतदाताओं द्वारा कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिए जाने पर वे ये तर्क दे रहे थे कि गुजरात में लोग परेशान हैमतदाताओं में भाजपा को लेकर नाराजगी भी है और भाजपा को मिले जनादेश का कोई महत्व नहीं है। एक प्रवक्ता कह रहे थे कि खुद प्रधानमंत्री और तमाम केन्द्रीय मंत्रियों को इतनी मेहनत करना पडी तब जाकर ये नतीजा आया है। अगर इतने सारे मंत्री मैदान में नहीं उतरते तो नतीजा कुछ और होता। प्रवक्ता ने यह भी जोडा कि आम आदमी पार्टी की मौजूदगी के कारण कांग्रेस को नुकसान हुआ है और आम आदमी पार्ट भाजपा की मदद के लिए ही आई थी। मजेदार बात ये है कि किसी भी प्रवक्ता ने एक बार भी ये नहीं कहा कि कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण की जरुरत है या कांग्रेस परिणामो से कोई सबक लेगी। कांग्रेस के ये साहसी प्रवक्ता उन तमाम बातों को उठाने में भी कोई दिक्कत नहीं महसूस करतेजिन्हे मतदाता पिछले कई चुनावों में अपने वोट के जरिये बार बार नकार चुके है। वे ध्रुवीकरणनोटबंदीजीएसटी और हिन्दू विरोध जैसे तमाम मुद्दों को बार बार सामने लाते है और खुश होते है कि उन्होने बहस के दौरान अपनी पार्टी को जमकर सही साबित किया। ये अलग बात है कि टीवी की इन बहसों में कांग्रेस प्रवक्ताओं के बयान सुन कर टीवी के कई दर्शकों के मन में कांग्रेस के प्रति वितृष्णा और बढ जाती हैलेकिन आखिरकार प्रवक्ता वही बात कह रहे होते हैजो उनके नेता और पार्टी की तय गाइड लाइन होती है। टीवी का एक सामान्य दर्शक अत्यन्त विपरित परिस्थिति में कांग्रेस का बहादुरी से बचाव करते प्रवक्ता को देखकर उनके साहस को सलाम करने लगता है। प्रवक्ताओं की बातों से वह दर्शक कांग्रेस से भले ही नाराज हो जाएलेकिन प्रवक्ता के साहस का सराहना जरुर करता है। गुजरात और दिल्ली जैसे शर्मनाक नतीजे आने पर एक सामान्य व्यक्ति को लगता है कि कोई भी प्रवक्ता अब किस तरह कांग्रेस का बचाव कर सकेगा। सामान्य व्यक्ति को लगता है कि इतनी विपरित परिस्थिति में तो प्रवक्ता खुद ही बहस में जाने से इंकार कर देंगे। लेकिन जब टीवी की स्क्रीन पर कांग्रेस प्रवक्ता पूरे दमखम के साथ बैठे नजर आते है और गले ना उतरने वाले अनूठे तर्क सामने रखकर जोर शोर से बहस करते हैतो सामान्य दर्शक न सिर्फ आश्चर्य चकित रह जाता हैबल्कि इन साहसी प्रवक्ताओं के साहस को भी सलाम करता है। कांग्रेस नेतृत्व को निश्चित ही ऐसी प्रत्येक पराजय के बाद अपने साहसी प्रवक्ताओं को सम्मानित करना चाहिए क्योकि ये बहादुर प्रवक्ता ही है जो सब कुछ ख़त्म हो जाने के बावजूद भी कांग्रेस को देश की सबसे बड़ी और मजबूत पार्टी और अपने नेता को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताते है। शायद इन्ही प्रवक्ताओं के तर्क सुनकर कांग्रेस का नेतृत्व भी खुद को इसी भ्रम में रखे हुए है। यही भाजपा के लिए सबसे बड़े फायदे की बात है।

(चिंतन-मनन)

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रूकी इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा माफ करना भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज। व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है स्पष्ट हो जाता है। उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया अच्छा हुआ। भरा हुआ मन भरी हुई बुद्धि भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है तब उस क्षण में जो अनुभव होता है वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया शुद्ध लाभ 23.17 प्रतिशत कम हुआ

मुंबई । एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2021-22 में 23.17 प्रतिशत घटकर 1174.7 करोड़ रुपये रहा है। हालांकि वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय 10 प्रतिशत बढ़कर 17171.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी नहीं है। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2020-21 में 1529 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। वहीं इस दौरान उसकी कुल आय 15621.1 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2021-22 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का कर पूर्व लाभ 1589.8 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान कंपनी का कर पर खर्च 415.1 करोड़ रुपये था। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया द.कोरिया की एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है। यह उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स घरेलू उपकरणों एचवीएसी और आईटी हार्डवेयर क्षेत्र में कार्यरत है।

पंजाब में किन्नू उत्पादन 25 फीसदी कम रहने का अनुमान

चंडीगढ़ । पंजाब में किन्नू उत्पादन इस साल 25 फीसदी कम रहने का अनुमान है जबकि इस मौसम में किन्नू उत्पादकों को ऊंचे दाम मिल रहे हैं। किन्नू उत्पादकों का कहना है कि नहर के पानी की किल्लत और सामान्य से कहीं अधिक तापमान से इस वर्ष उत्पादन कम है। पंजाब देश में किन्नू का सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां करीब 59000 हेक्टेयर भूमि में किन्नू की फसल होती हैं वहीं वार्षिक उत्पादन लगभग 12 लाख टन होता है। किन्नू फसल की कटाई दिसंबर में शुरू होकर फरवरी माह के अंत तक होती है। अबोहर राज्य में किन्नू का सबसे बड़ा उत्पादक है और यहां 35000 हेक्टेयर क्षेत्र में किन्नू पैदा किया जाता है। बागवानी विभाग में अधिकारी ने कहा इस वर्ष किन्नू के उत्पादन में करीब 25 फीसदी की गिरावट आने का अनुमान है।'' उन्होंने कहा कि औसत उत्पादन 12 लाख टन होता है जो इस बार नौ लाख टन रह सकता है।

हिंदुस्तान जिंक में हिस्सेदारी बेचने से पहले विदेशी कोषों की रुचि जानेगी सरकार

HINDUSTAN ZINC
Zinc of India

नई दिल्ली । सरकार हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) में अपनी अल्पांश इक्विटी हिस्सेदारी बेचने पर कोई फैसला लेने से पहले यह जानना चाहती है कि बड़े विदेशी कोषों की इसमें कितनी रुचि है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार के पास अभी हिंदुस्तान जिंक में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि 5.54 प्रतिशत हिस्सेदारी सार्वजनिक शेयरधारकों के पास है। खनन क्षेत्र के दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड 64.92 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ हिंदुस्तान जिंक की प्रवर्तक है। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने जस्ता उत्पादक कंपनी में सरकार के 124.79 करोड़ शेयर या 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की मंजूरी दे दी है। मौजूदा 316 रुपए प्रति शेयर के भाव पर 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए सरकार को करीब 39000 करोड़ रुपए मिलेंगे। अधिकारी ने कहा कि चूंकि कंपनी में सार्वजनिक हिस्सेदारी सिर्फ पांच प्रतिशत है ऐसे में बड़े निवेशकों के लिए यह सौदा व्यवहार्य नहीं है। बड़े निवेशक कंपनी में एकमुश्त रकम डालते हैं। बाजार में शेयरों की उपलब्धता सीमित होगी। अधिकारी ने कहा कि मर्चेंट बैंकर पहले हिंदुस्तान जिंक में बड़े कोषों की रुचि का आकलन करेंगे। एक बार जब हमें मांग का सही अंदाजा हो जाएगा तो हम समय और कितनी हिस्सेदारी बेची जा सकती है इस पर फैसला करेंगे। अधिकारी ने कहा कि बाजार का उच्च स्तर पर होना हिंदुस्तान जिंक में हिस्सेदारी बिक्री में बाधा नहीं बनेगा। हिस्सेदारी बिक्री बाजार में बकाया शेयरों पर निर्भर करेगी।

शेयर बाजारों की चाल व्यापक आर्थिक आंकड़ों और फेड की ब्याज दरों पर निर्भर होगी

मुंबई ।

स्थानीय शेयर बाजारों की चाल इस सप्ताह मुख्य रूप से व्यापक आर्थिक आंकड़ों और अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर निर्णय से तय होगी। औद्योगिक उत्पादन और खुदरा महंगाई दर के आंकड़े सोमवार को जारी होने वाले हैं। इसके अलावा थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े बुधवार को आएंगे। बाजार जानकार ने कहा यह सप्ताह वैश्विक संकेतों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इस दौरान अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों की समीक्षा के फैसले आएंगे। बाजार के लिहाज से ये सबसे महत्वपूर्ण घटनाएं होंगी। उन्होंने कहा ''घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 12 दिसंबर को आएंगे। थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े 14 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।'' इसके अलावा चीन से आने वाली खबरें कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव और डॉलर सूचकांक अन्य महत्वपूर्ण कारक होगा। संस्थागत प्रवाह पर भी नजर रखने की जरूरत है क्योंकि पिछले सप्ताह में विदेशी संस्थागत

निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल रहे हैं। पिछले हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुद्रास्फीति को संतोषजनक स्तर पर लाने के लिए रेपो दर में 0.35 प्रतिशत की और बढ़ोतरी की थी। एक अन्य बाजार जानकार ने कहा आरबीआई ने उम्मीद के मुताबिक नीतिगत दरों में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है जबकि आगामी बैठक में दरों में और वृद्धि का संकेत दिया है।

गुवाहाटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला एरोड्रोम लाइसेंस

गुवाहाटी ।

गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे का परिचालन करने वाली अडानी समूह की इकाई गुवाहाटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को इस हवाई अड़डे के पूर्ण प्रबंधन के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से एरोड्रोम लाइसेंस मिला है। गुवाहाटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने कहा कि डीजीसीए ने लाइसेंस प्रदान कर दिया है। बयान के मुताबिक रियायत समझौते के अनुसार एलजीबीआई हवाईअड्डे के संचालन प्रबंधन और विकास सुनिश्चित करने के लिए एरोड्रोम लाइसेंस दिया गया है। यह लाइसेंस इस हवाई अड्डे को देश के सार्वजनिक हवाई अड्डे के रूप में इस्तेमाल करने के लिए अधिकृत करता है। अडानी समूह ने आठ अक्टूबर 2021 को गुवाहाटी हवाई अड्डे का प्रबंधन संचालन और विकास अपने हाथ में लिया था।

उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने कहा- मैं नहीं बनूंगा कभी सबसे अमीर

नई दिल्ली ।

देश के अमीर कारोबा रियों में से एक महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा की ख्याति ट्विटर के एक सक्रिय यूजर के रूप में भी है। वे ट्विटर पर से क्रिय रहते हैं और उनके फॉलोअर्स व अन्य ट्विटर यूजर्स के सवालों के जवाब भी देते रहते हैं। एक बार फिर उन्होंने ट्विटर पर जिस तरह से जवाब दियाव उसने लोगों का दिल जीत लिया है। दरअसल एक ट्विटर यूजर ने उनसे पिछले महीने नवंबर की 10 तारीख को पूछा था कि आप दुनिया के 73वें सबसे अमीर शख्स हैं पहले कब बनेंगे? महिंद्रा ने लिखा सच तो यह है कि सबसे अमीर कभी नहीं बनूंगा क्योंकि ये मेरी कभी ख्वाहिश ही ना थी। इस पर अन्य ट्विटर यूजर्स ने उनके जवाब की तारीफ की है। एक यूजर ने लिखा कि आप एक अच्छे इंसान हैं यही काफी है। 10 नवंबर को आनंद महिंद्रा ने एक फिल्म का जिफ (जीआईएफ) शेयर कर बताया कि उनके ट्विटर पर 10 मिलियन (1 करोड़) फॉलोअर्स हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जब मैंने अपने फॉलोअर्स की संख्या देखी तो मेरी प्रतिक्रिया कुछ ऐसी ही थी। यह विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि मेरा परिवार इतना बड़ा है। मुझमें रुचि और विश्वास जताने के लिए आप सभी का धन्यवाद। जुड़े रहें। 6 दिसंबर को विश्व बैंक द्वारा भारत की जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी करने पर आनंद महिंद्रा ने खुशी जाहिर की थी। उन्होंने लिखा कि आज के समय में जीडीपी में अपग्रेड देखना काफी मुश्किल है। अब और ऊर्जा बढ़ाने वाली बात यह होगी कि हम इस अनुमान को भी गलत साबित कर दें और अपनी जीडीपी को 7 फीसदी से ऊपर पहुंचा दें। विश्व बैंक ने 6 दिसंबर को ही भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान रिवाइज किया था। विश्व बैंक के मुताबिक इस वित्त वर्ष में महंगाई दर 7.1 फीसदी रहेगी।

(तेल तिलहन बाजार साप्ताहिक समीक्षा)

खाने के तेल की कीमतों का मिला-जुला रुख रहा

सरसों दाने का भाव 25 रुपए घटकर 7075-7125 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ

नई दिल्ली ।

सूरजमुखी और सोयाबीन जैसे आयातित हल्के (सॉफ्ट) खाने के तेलों की कीमतो में गिरावट स्थानीय तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ने तथा सर्दी व शादी-विवाह के मौसम की मांग के बीच बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में खाने के तेल की कीमतों में कारोबार का मिला-जुला रुख देखा गया। सरसों तेल मूंगफली तेल-तिलहन सोयाबीन तिलहन कच्चा पामतेल और पामोलीन तेल कीमतों में जहां सुधार आया वहीं सरसों पेराई में मिल वालों को नुकसान होने से सरसों तिलहन कीमतों में गिरावट आई। शुल्कमुक्त आयात काफी सस्ता होने से सोयाबीन तेल कीमतों में भी गिरावट आई। बाकी तेल-तिलहनों के भाव पूर्ववत रहे। सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 25 रुपए घटकर 7075-7125 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 50 रुपए बढ़कर 14050 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 10-10 रुपए बढ़कर क्रमशः 2130-2260 रुपए और 2190-2315 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। पिछले साल के मुकाबले कम भाव पर किसानों की बिकवाली घटने से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपए बढ़कर क्रमशः 5550-5650 रुपए और 5360-5410 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सस्ते आयातित तेल के

दबाव में समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल क्रमशः 500 रुपए 400 रुपए और 350 रुपए की हानि के साथ क्रमशः 12900 रुपए 12850 रुपए और 11150 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपए बढ़कर 6410-6470 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 200 रुपए बढ़कर 15000 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 25 रुपए बढ़कर 2415-2680 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। सस्ता होने की वजह से वैश्विक मांग बढ़ने के बीच सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में मजबूती आई। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 50 रुपए बढ़कर 8500 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपए बढ़कर 10000 रुपए हो गया। पामोलीन कांडला का भाव 9000 रुपए प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित बंद हुआ। सस्ते आयात के बावजूद मंडियों में बिनौला कपास नरमा की आवक लगभग आधी रह जाने से समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 11450 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर पर अपरिवर्तित रहा।

तनाव के बीच भारत का चीन से कारोबार बढ़ता जा रहा मोदी सरकार ने जाहिर की चिंता

दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल के लिए चीन पर निर्भर

नई दिल्ली ।

चीन के साथ भारत का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। देश कई सामानों के मामले में चीन पर आज भी निर्भर है। चीन पर निर्भरता कम करने के लिए हाल ही में मोदी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके बाबजूद चीन के साथ बढ़ता व्यापार घाटा लंबे समय से सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा में इस पर चिंता जताकर है कि भारत कई चीजों के लिए चीन पर निर्भर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि साल 2003-2004 में चीन से भारत का आयात करीब 4.34 अरब डॉलर का था। लेकिन साल 2013-14 आते-आते ये बढ़कर करीब 51.03 अरब डॉलर का हो गया। इसतरह 10 वर्षों में आयात बढ़कर दस गुना से भी ज्यादा हो गया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री गोयल के मुताबिक एक समय ऐसा था जब एपीआई यानी दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल भारत ही पूरी दुनिया को निर्यात किया करता था। लेकिन अब हालत ये है कि देश का दवा उद्योग अब चीन पर निर्भर हो गया है। इस कारोबार में भारत लगातार पिछड़ता चला गया है। चीन पर भारत की निर्भरता कम करने पर लगातार जोर दिए जाने के बावजूद दोनों के कारोबार में लगातार इजाफा हो रहा है। द्विपक्षीय कारोबार का पलड़ा पूरी तरह चीन के पक्ष में झुका है। चीन का निर्यात भारत की तुलना में कई गुना ज्यादा है। ये चिंता का विषय है। केंद्रीय मंत्री गोयल के मुताबिकसाल 2004-05 में भारत और चीन के बीच 1.48 अरब डॉलर का व्यापार घाटा था। लेकिन 2013-14 में ये बढ़कर 36.21 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान भारत और चीन के बीच 44.33 अरब डॉलर का व्यापार घाटा था लेकिन वित्त वर्ष के दौरान ये बढ़ कर 73.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। सीमा पर

तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय करोबार में 43.3 फ़ीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सरकार चीन पर निर्भरता को कम करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। पीयूष गोयल के मुताबिक देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मज़बूत करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम (पीएलआई) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू की है। इससे आयात की निर्भरता चीन पर कम होगी। पहले देश में मोबाइल हैंडसेट के सिर्फ दो प्लांट हुआ करते थे। इसके चलते देश में इस्तेमाल होने वाले करीब सारे स्मार्टफोन चीन से ही मंगाए जाते थे लेकिन अब पीएलआई स्कीम की बदौलत देश में मोबाइल फोन सेक्टर में 200 कंपनियां हैं।

वोडाफोन आइडिया और एटीसी ने ओसीडी के अभिदान के लिए अंतिम तारीख बढ़ा दी

मुंबई । कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया और उसके वेंडर एटीसी टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर ने 1600 करोड़ रुपये के ऋण पत्र के अभिदान की अंतिम तारीख बढ़ाकर 28 फरवरी करने पर सहमति जाहिर की है। बकाया ब्याज को इक्विटी में बदलने पर मोदी सरकार की ओर से किसी प्रतिक्रिया के अभाव में यह फैसला किया गया। मोदी सरकार की प्रतिक्रिया के अभाव में मोबाइल टावर वेंडर एटीसी टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर को 1600 करोड़ रुपये के ऋण पत्र जारी करने के लिए वोडाफोन आइडिया के प्रस्ताव की अवधि खत्म हो गई थी। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने कहा कंपनी और एटीसी ने पारस्परिक रूप से ओसीडी के अभिदान के लिए अंतिम तारीख 28 फरवरी 2023 तक बढ़ा दी है। बयान में कहा गया कि पारस्परिक रूप से सहमति के आधार पर कोई अन्य तारीख भी तय की जा सकती है।

भारत और ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के लिए छठे दौर की बातचीत 12 से

- आखिरी दौर की बातचीत 29 जुलाई को हुई थी

नई दिल्ली ।

भारत और ब्रिटेन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए छठे दौर की वार्ता सोमवार 12 दिसंबर को शुरू होगी। एक अधिकारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य एफटीए वार्ता को जल्द से जल्द पूरा करना है। ब्रिटेन में हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद यह वार्ता फिर शुरू हो रही है। आखिरी दौर की बातचीत 29 जुलाई को हुई थी। छठे दौर की वार्ता 12 दिसंबर से शुरू हो रही है। 13 जनवरी 2022 को शुरू हुई वार्ता के तहत एक प्रमुख मुद्दा यात्री वाहन सहित वस्तुओं का व्यापार है। मुक्त व्यापार समझौते के तहत दोनों देश आपसी व्यापार वाले ज्यादातर उत्पादों पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। ब्रिटेन वाहन क्षेत्र में शुल्क रियायत चाहता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले महीने कहा था कि समझौता दोनों देशों के लिए उच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि चीजें अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं और इसके अच्छे परिणाम आएंगे। गोयल ने कहा था कि हम सभी बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि यह बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा था लेकिन दूसरे देश में राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से इसमें थोड़ी रुकावट आई। अब ब्रिटेन में एक स्थिर सरकार है। मैं अपने समकक्ष के साथ व्यक्तिगत बैठक भी कर सकता हैं। अभी हमारी टीमें एक-दूसरे से बातचीत कर रही हैं। दिसंबर में वार्ता का

अगला दौर शुरू होगा। भारत और ब्रिटेन ने दिवाली (24 अक्टूबर) तक वार्ता समाप्त करने के उद्देश्य से जनवरी में एफटीए के लिए बातचीत शुरू की लेकिन ब्रिटेन में राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण इस समयसीमा को पूरा नहीं किया जा सका। समझौते में 26 अध्याय हैं। इसमें सामान सेवाएं निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल है।

ट्विटर फिर से शुरू करेगी अपनी ब्लू चेकमार्क सेवा

नई दिल्ली ।

माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने फिर से अपनी ब्लू चेकमार्क सेवा शुरू करने का फैसला किया है। हालांकि एक महीने पहले भी कंपनी ने अपनी इस सर्विस को शुरू करने का इरादा किया था लेकिन उसमें कंपनी को सफलता नहीं मिल पाई थी। ऐसे में ट्विटर ने एक बार फिर इस सेवा को शुरू करने की घोषणा की है। ट्विटर ने कहा कि वह यूज़र्ज को सोमवार से ट्विटर ब्ल्यू सबक्रिप्शन खरीदने देगी ताकि वो ब्लू वेरिफाइड अकाउंट और विशेष फीचर को हासिल कर सकें। गौरतलब है कि ट्विटर ब्लू चेकमार्क ऐसी कंपनियों हस्तियों सरकारी संस्थाओं और पत्रकारों को देता है जो इस सोशल मीडिया प्लेटफार्म द्वारा सत्यापित होते हैं। ट्विटर ब्ल्यू सबक्रिप्शन के लिए यूज़र्ज को हर महीने आठ डॉलर का शुल्क देना होगा जबकि आईफोन यूज़र्ज को 11 डॉलर का शुल्क देना होगा। ट्विटर के मुताबिक सब्सक्राइबर्स के ट्वीट्स

को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। इसके अलावा वे लंबी वीडियो पोस्ट कर पाएंगे और उन्हें विज्ञापन भी कम दिखेंगे। गौरतलब है कि एलन मस्क ने अक्टूबर में 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीद लिया था। जिसके बाद उन्होंने हर महीने आठ डॉलर के शुल्क पर किसी को भी ब्लू टिक देने की सेवा शुरू की थी। जिसके कारण कुछ फर्जी यूज़र्ज ने भी ब्लू टिक हासिल कर लिया था। जिसके कारण ट्विटर को यह सेवा निलंबित करना पड़ा था।

एनडीटीवी ने अडानी समूह को अपने निदेशक मंडल में दो 'सीटें देने की पेशकश की

मुंबई ।

एनडीटीवी ने देश के दिग्गज उद्योगपति गौतम अडानी के समूह को अपने निदेशक मंडल में दो 'सीटें देने की पेशकश की है। एनडीटीवी ने बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में काम करने वाले समूह को कंपनी में उसकी निर्गम-पूर्व 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी के एवज में यह पेशकश की है। शेयर बाजारों को भेजी गई सूचना से इसकी जानकारी मिली है। अडानी समूह ने टेलीविजन नेटवर्क के संस्थापकों राधिका रॉय और प्रणय रॉय द्वारा समर्थित कंपनी को खरीदकर नई दिल्ली टेलीविजन लि. (एनडीटीवी) में 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी। इसके बाद इसने सार्वजनिक शेयरधारकों से अतिरिक्त 26 प्रतिशत हासिल करने के लिए एक खुली पेशकश की। खुली पेशकश में निवेशकों को एनडीटीवी के शेयर के मौजूदा भाव के मुकाबले कम कीमत की पेशकश की गई इसके बावजूद 53 लाख से अधिक शेयरों की पेशकश हासिल हुई है। यह एनडीटीवी की करीब 8.26 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। एनडीटीवी में अडानी समूह की कुल हिस्सेदारी 37.44 प्रतिशत हो गई जो संस्थापकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय की सामूहिक 32.26 प्रतिशत हिस्सेदारी से अधिक है। एनडीटीवी के निदेशक मंडल ने नौ दिसंबर 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अप्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड को आमंत्रित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उसके पास एनडीटीवी में 29.18 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है। इस आधार पर उसे एनडीटीवी में दो निदेशक मनोनीत करने को आमंत्रित किया गया है। शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा गया है कि इस नियुक्ति पर 23 दिसंबर 2022 को होने वाली निदेशक मंडल की अगली बैठक में विचार किया जाएगा। एनडीटीवी में सबसे अधिक शेयरधारिता होने से अडाणी समूह को समाचार प्रसारण कंपनी का चेयरमैन नियुक्त करने का भी अधिकार मिल गया है। हालांकि एनडीटीवी की ओर से शेयर बाजारों को भेजी गई सूचना में खुली पेशकश के बाद कंपनी में अडाणी की हिस्सेदारी का उल्लेख नहीं है। प्रणय रॉय फिलहाल एनडीटीवी के चेयरपर्सन हैं। उनकी पत्नी राधिका रॉय कार्यकारी निदेशक हैं। रॉय के पास कंपनी की 15.94 प्रतिशत और उनकी पत्नी के पास 16.32 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अगले सप्ताह तीन कंपनियों के आईपीओ आएंगे

आईपीओ से 1858 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अगले सप्ताह सुला वाइनयार्ड्स लैंडमार्क कार्स और अबंस होल्डिंग्स आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही हैं। इन तीनों आईपीओ से सामूहिक रूप से 1858 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है। शेयर बाजार के अनुसार शराब कंपनी सुला वाइनयार्ड्स और अबंस समूह की वित्तीय सेवा इकाई अबंस होल्डिंग्स का आईपीओ 12 दिसंबर को खुलेगा। वहीं वाहन डीलरशिप श्रृंखला लैंडमार्क कार्स की आरंभिक शेयर बिक्री 13 दिसंबर से शुरू होगी। इससे पहले नवंबर में 10 कंपनियों का आईपीओ आया था। इस साल में अब तक 33 कंपनियां आईपीओ के जरिये 55000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटा चुकी हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2021 में 63 आईपीओ के जरिये 1.19 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा जुटाए गए थे। सुला वाइनयार्ड्स का आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक निवेशकों और अन्य शेयरधारकों की ओर से कुल 26900532 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 340-357 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर आईपीओ से 960.35 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। अबंस होल्डिंग्स आईपीओ के तहत 38 लाख नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा कंपनी के प्रवर्तक अभिषेक बंसल 90 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे। कंपनी ने आईपीओ के लिए 256 से 270 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर आईपीओ से 345.6 करोड़ रुपए जुटेंगे। आईपीओ 15 दिसंबर को बंद होगा। लैंडमार्क कार्स के 552 करोड़ रुपए के आईपीओ के तहत 150 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 402 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश लाई जाएगी। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 481-506 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। तीनों कंपनियों के शेयर बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फीफा विश्व कपः कोलकाता के 9,000 से ज्यादा फुटबॉल प्रशंसक कतर पहुंचे

कोलकाता : फीफा विश्व कप को लेकर इस शहर में उत्साह चरम पर हैं और इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चार साल में एक बार होने वाले इस वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का लुत्फ उठाने के लिए यहां के लगभग 9000 प्रशंसक कतर पहुंच चुके हैं। ब्राजील और पुर्तगाल जैसी दिग्गज टीमों के विश्व कप से बाहर होने के बाद भी प्रशंसक सेमीफाइनल और फाइनल से पूर्व कतर के लिए टिकट, आवास की उपलब्धता और यात्रा पैकेज के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। 'ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' के अनिल पंजाबी ने कहा, 'लगभग 10,000-12,000 फुटबॉल प्रशंसकों ने अब तक पूर्वी भारत से कतर की यात्रा की है, जिसमें कोलकाता के करीब 9,000 लोग शामिल हैं। लोग अभी भी सेमीफाइनल और फाइनल के लिए वहां जाने को लेकर बहुत उत्सुक हैं। हमें उम्मीद है कि सिर्फ कोलकाता से कम से कम 1,500 और लोग अभी इस अरब देश में जाएंगे।'

अंडर-16 महिला हॉकी लीगः सेमीफाइनल में साई ए का सामना साई बी से होगा

लखनऊ, (एजेंसी)

भारतीय खेल प्राधिकरण ए सोमवार को यहां खेलो इंडिया अंडर-16 महिला हॉकी लीग 2022 (अंतिम चरण) के सेमीफाइनल में भारतीय खेल प्राधिकरण बी से भिड़ेगा। दूसरे सेमीफाइनल में एचएआर हॉकी अकादमी का मुकाबला प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन से होगा। भारतीय खेल प्राधिकरण ए, एचएआर हॉकी अकादमी, सैल्यूट हॉकी अकादमी और प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन की टीमों ने रविवार को ग्रुप चरण के मैचों के अंतिम दिन महत्वपूर्ण जीत हासिल की। भारतीय खेल प्राधिकरण ए ने पूल ए में घुमनहेरा राइजर अकादमी पर 8-0 से जीत हासिल कर दिन की शुरूआत की। टीम की कप्तान काजल (10, 13, 15, 27 मिनट) ने अपनी टीम के लिए चार गोल किए। जबकि लालबियाकसियामी (3, 12 मिनट) और करुणा मिंज (4, 56 मिनट) ने भारतीय खेल प्राधिकरण ए के लिए दो-दो गोल दागे।पूल ए में दूसरा मैच एचएआर हॉकी अकादमी और ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के बीच एक करीबी मुकाबला था, जिसमें पूर्व चैंपियन को 2-0 से जीत मिली। एचएआर हॉकी अकादमी की शशि खाशा (18) ने अपनी टीम के लिए खाता खोला और कप्तान पूजा (44) ने पेनल्टी कार्नर पर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस बीच, पूल बी में सैल्यूट हॉकी अकादमी ने दिन के पहले मैच में भाई भेलो हॉकी अकादमी भगता को 8-0 से हराया। सैल्यूट हॉकी अकादमी की कप्तान अन्नू (14, 28, 42, 46 मिनट) ने अपनी टीम के लिए गोलों की भरमार से शुरूआत की और चार गोल के साथ मैच खत्म किया। जया (17, 20 मिनट) ने दो, जबकि वैशाली (26) और श्वेता (35 मिनट) ने एक-एक गोल किया। पूल बी में एक महत्वपूर्ण मैच जो टेबल टॉपर तय करता, प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन ने भारतीय खेल प्राधिकरण बी पर 2-1 से वापसी की। शांति होरो (22 मिनट) ने पहले हाफ में भारतीय खेल प्राधिकरण बी को बढ़त दिला दी, लेकिन प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन ने रिया (25 मिनट) के गोल से तुरंत जवाब दिया। दूसरे हाफ में रवीना (49) ने गोल कर वापसी पूरी की। इस बीच, पूल बी में सैल्यूट हॉकी अकादमी ने दिन के पहले मैच में भाई भेलो हॉकी अकादमी भगता को 8-0 से हराया। सैल्यूट हॉकी अकादमी की कप्तान अन्नू (14, 28, 42, 46 मिनट) ने अपनी टीम के लिए गोलों की भरमार से शुरूआत की और चार गोल के साथ मैच खत्म किया। जया (17, 20 मिनट) ने दो, जबकि वैशाली (26) और श्वेता (35 मिनट) ने एक-एक गोल किया।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्सः यामागुची ने ताई जु-यिंग को हराकर महिला एकल खिताब जीता

बैंकॉक, (एजेंसी)

जापान की अकाने यामागुची ने रविवार को यहां बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) वर्ल्ड टूर फाइनल्स में महिला एकल खिताब जीतने के लिए फाइनल में चीनी ताइपे की ताई जू-यिंग को 21-18, 22-20 से हराया। दोनों के स्कोर करीब थे, लेकिन यामागुची ने 46 मिनट में मैच के दौरान अपना दबादबा बनाए रखा। उन्होंने आखिरी बार पांच साल पहले सीजन-एंडर खिताब जीता था। इसके साथ, 1997 में वह झाओयिंग के बाद से जापान की पहली महिला एकल खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने एक ही वर्ष में आल इंग्लैंड ओपन, विश्व चैंपियनशिप और सीजन के अंत के फाइनल का खिताब जीता। यामागुची ने कहा, वह मुझ पर दबाव बनाने के लिए मुझ पर हावी होती रहीं। लेकिन मैं बढ़त बनाए रखने के लिए आक्रामक होना चाहती थीं। मुझे नहीं पता कि यह अब तक का सबसे अच्छा खेला है या नहीं, लेकिन मेरा सप्ताह यहां अच्छा बीता। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगा कि मैंने दूसरे गेम में अच्छी तरह से बचाव किया। मैं घबराई नहीं और आक्रमण करने के अपने अवसर का इंतजार किया। मैंने आज अपना शत प्रतिशत दिया। उनकी प्रतिद्वंद्वी ताई, जो अपने तीसरे डब्ल्यूटीएफ खिताब से चूक गईं, उन्होंने अच्छी लय के साथ अपनी गलतियों को स्वीकार किया। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगा कि मैंने दूसरे गेम में अच्छी तरह से बचाव किया। मैं घबराई नहीं और आक्रमण करने के अपने अवसर का इंतजार किया। मैंने आज अपना शत प्रतिशत दिया।

स्पीड चैस 2022 - विश्व नंबर 2 चीन के डिंग लीरेन को हराकर भारत के निहाल सेमी फाइनल में

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैस कॉम स्पीड चैस ऑनलाइन टूर्नामेंट के क्वाटर फाइनल मुक़ाबले में भारत के ग्रांड मास्टर निहाल सरीन नें विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी चीन के डिंग लीरेन को पराजित करते हुए सेमी फाइनल में जगह बना ली है , यह लगातार दूसरा मौका है जब किसी प्ले ऑफ में उन्होने विश्व नंबर 2 खिलाड़ी को पराजित किया है,इससे पहले निहाल नें डिंग को ग्लोबल चैंपियनशिप के प्ले ऑफ में मात दी थी । बड़ी बात यह रही की निहाल नें यह मैच अंत में लगभग एकतरफा बना दिया । स्पीड चैस के फॉर्मेट के अनुसार पहले सेट में 90 मिनट तक 5 मिनट + 1 सेकंड के नौ मुक़ाबले हुए जिसमें डिंग और निहाल 4.5-4.5 से बराबरी पर रहे । इसके बाद दूसरे सेट में 60 मिनट तक 3 मिनट +1 सेकंड के 8 मुक़ाबले हुए और इस बार निहाल 5-3 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहे और 9.5-7.5 से आगे हो गए पर इसके बाद तीसरे सेट में निहाल ने अद्भुत खेल दिखाया और कुल 1मिनट + 1 सेकंड के 9 बुलेट मुकाबलों में 7.5-1.5 से विशाल जीत दर्ज की और ओवर ऑल 17-9 के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ली और सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया ।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड बेहतरवर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए जीत जरुरी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम वनडे सीरीज हार के बाद मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ अगामी 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुटी है। सीरीज का पहला टेस्ट मैच 14 दिसंबर से चटगांव में जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में होगा। रिकॉर्ड की बात करें तब भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में अभी तक कोई भी मैच बांग्लादेश खिलाफ नहीं हारी है। हालांकि भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 की जीत बेहद जरूरी है। टीम इंडिया मेजबान टीम का टेस्ट सीरीज में सफाया कर अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रख सकती है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जून 2023 में खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप समीकरण की बात करें तब भारतीय टीम मेजबान के खिलाफ एक भी टेस्ट में रिजल्ट ड्रॉ नहीं चाहेगी। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 टेस्ट मैच खेले गए हैं जिसमें से भारत ने 9 जीते हैं। दो टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं। बांग्लादेश के खाते में एक भी जीत नसीब नहीं हुई है। दोनों टीमें साल 2000 से एक-दूसरे के खिलाफ टेस्ट मैच खेल रही हैं। बांग्लादेश की टीम भारत के खिलाफ अभी भी पहली जीत की तलाश कर रही है। हालांकि इस दौरान उसने कुछ टेस्ट ड्रॉ कराने में सफलता जरूर हासिल की है। बांग्लादेश के लिए अच्छी बात यह है कि वह इस समय अपने घर में खेल रही है। जहां उसने पहले दो टेस्ट मैच ड्रॉ कराए हैं। हाल में वनडे सीरीज में बांग्लादेश ने भारत को 2-1 से हराया था। वनडे सीरीज जीतने के बाद बांग्लादेश के हौसले बुलंद हैं। इसके बाद उसकी कोशिश भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 की राह में रोड़ा बनने की होगी।

संक्षिप्त समाचार

एथलेटिक्सः नीरज चोपड़ा ने 2023 सीजन से पहले इंग्लैंड में ट्रेनिंग शुरू की

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर 2022 के सफल आयोजन के बाद टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने 2023 सीजन से पहले इंग्लैंड के लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अपना प्रशिक्षण शुरू कर दिया है भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी ने रविवार को यूनिवर्सिटी के हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में पसीना बहाते हुए अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। चोपड़ा ने अपनी तस्वीर और वीडियो के साथ लिखा, नए सीजन के लिए शेप में वापस आने के लिए कड़ी मेहनत जारी है। चोपड़ा कुछ दिन पहले इंग्लैंड में उतरे और 63 दिनों के लिए अपने अत्याधुनिक स्पोर्ट्स जिम और प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए माने जाने वाले लॉफबोरो विश्वविद्यालय में कैंप करेंगे। उनके साथ उनके कोच और बायोमैकेनिक्स विशेषज्ञ डॉ क्लॉस बाटरेनिट्ज और फिजियोथेरेपिस्ट ईशान मारवाहा भी हैं। इस सप्ताह की शुरूआत में, 24 वर्षीय एथलीट ने लॉफबोरो विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत की थी। चोपड़ा के 2023 सीजन में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, सितंबर में हांग्जो में एशियाई खेलों और डायमंड लीग श्रृंखला की प्रतियोगिताओं में शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने 2022 में छह प्रतियोगिताओं में भाग लिया और सीजन में दो बार अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा। चोपड़ा जुलाई में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत जीतने वाले पहले भारतीय भी बने। चोपड़ा के 2023 सीजन में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, सितंबर में हांग्जो में एशियाई खेलों और डायमंड लीग श्रृंखला की प्रतियोगिताओं में शामिल होने की उम्मीद है।

विश्व कप में मोरक्को का सेमीफाइनल तक पहुंचना एक सपने जैसाः अमरबात

मिडफिल्डर सोफियान अमरबात ने कहा कि पुर्तगाल को 1-0 से हराकर मोरक्को विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहा, यह उसके लिए एक सपने जैसा है। यूसुफ एन-नेसरी ने मोरक्को को हाफटाइम से पहले एक हेडर के साथ आगे रखा और इसके बाद उन्होंने फुटबॉल के शोपीस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनने के लिए पूरी तरह से बचाव किया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने 26 वर्षीय फिओरेंटीना खिलाड़ी के हवाले से कहा, मुझे बहुत गर्व है। यह एक सपने जैसा है - अविश्वसनीय है कि हम सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। हम इसके लायक हैं, 1000 प्रतिशत हम कैसे लड़ते हैं, हम कैसे खेलते हैं, अपने देश के लोगों के लिए अपने दिल से - यह अविश्वसनीय है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने 26 वर्षीय फिओरेंटीना खिलाड़ी के हवाले से कहा, मुझे बहुत गर्व है। यह एक सपने जैसा है - अविश्वसनीय है कि हम सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

मोरक्को का जीत का सिलसिला जारी, पुर्तगाल को हराकर सेमीफाइनल में की एंट्री

(एजेंसी)

मोरक्को शनिवार को पुर्तगाल पर 1-0 की जीत से फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बन गई है, इस हार के साथ पुर्तगाल टीम फीफा वर्ल्ड कप 2022 से बाहर हो गई और दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के खिताब का सपना भी टूट गया है। पुर्तगाल, जिसने फिर से अपने स्टार स्ट्राइकर रोनाल्डो के बिना शुरूआत की, हाफ-टाइम से ठीक तीन मिनट पहले मोरक्को के लिए एन नेसरी ने हेडर के जरिए गोल किया। इससे मोरक्को टीम ने 1-0 की लीड ले ली। पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सैंटोस ने 37 वर्षीय रोनाल्डो की जगह युवा गोंकालो रामोस को चुना, ठीक वैसे ही जैसे अंतिम 16 में स्विट्जरलैंड को 6-1 से हराया था, जहां रामोस ने हैट्रिक बनाई थी। मिडफील्ड में विलियम कार्वाल्हो की जगह रुबेन नेव्स को एकमात्र बदलाव किया गया था। मोरक्को के कोच वालिद रेगरागुई को चोटिल प्रमुख डिफेंडर नूस्सैर मजरौई और अगुएर्ड की जगह अत्तियात-अल्लाह को मैदान में उतारना पड़ा। हालांकि पुर्तगाल ने हमलों की झड़ी लगा दी, लेकिन वह मोरक्को डिफेंस को नहीं तोड़ सके, जिसने पांच मैचों में टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल किया था। फर्नांडो सांतोस की टीम ने एक मजबूत डिफेंस का सामना किया जो हिलने वाला नहीं था। मोरक्को के लिए अपनी 50वीं उपस्थिति दर्ज करने वाले गोलकीपर यासीन बाउनोउ विश्व कप के एक ही संस्करण में तीन क्लीन शीट रिकॉर्ड करने वाले पहले अफ्रीकी गोलकीपर बन गए क्योंकि उन्होंने अपने साथियों के साथ बेहतरीन और अनुशासित प्रदर्शन किया जिसने चौथी बार अफ्रीका को क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया, 1990 में कैमरून, 2002 में सेनेगल और 2010 में घाना के बाद सभी अंतिम-आठ चरण में बाहर हो गए थे। एटलस लायंस, जिनके समर्थक लगातार अल थुमामा स्टेडियम में गर्जना करते थे, का कब्जा केवल 27 फीसदी के नीचे था, लेकिन निशाने पर तीन शॉट पुर्तगाल की संख्या से मेल खाए और ब्रेक पर लगातार खतरा साबित हुए।

फीफा विश्व कपः इंग्लैंड के बाहर होने के बाद कप्तान केन ने कहा, पूरी तरह से निराश हैं

दोहा, (एजेंसी)

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने रविवार को कहा कि फीफा विश्व कप से उनकी टीम की निराशाजनक हार से वह पूरी तरह से निराश हैं और उन्होंने फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मिली 1-2 की हार की जिम्मेदारी ली। इंग्लैंड का विश्व कप अभियान शनिवार को अल बेयट स्टेडियम में फ्रांस के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद समाप्त हो गया, केन की पेनल्टी चूक निर्णायक साबित हुई। इंग्लैंड के कप्तान ने फ्रांस के लिए 17वें मिनट में आरेलियन तचौमेनी के पहले गोल के बाद पहले ही पेनल्टी के साथ स्कोर बराबर कर लिया था। 83वें मिनट में, मेसन माउंट को थियो हर्नांडिज द्वारा फाउल किए जाने के बाद मिली पेनल्टी पर केन के पास स्कोर को बराबर करने का एक और अवसर था। इस बार, हालांकि, केन ने अपना प्रयास ऊंचा मार दिया ,और फ्रांस ने बढ़त बरकरार रखते हुए 2-1 से जीत हासिल की। केन ने एक ट्वीट में कहा, हम पूरी तरह से निराश हैं। हमने इस मैच में अपना शत प्रतिशत दिया। हालांकि हम जीत नहीं सके, जिसकी मैं जिम्मेदारी लेता हूं। इससे उबरने में कुछ समय लगेगा लेकिन यह खेल का हिस्सा है। 29 वर्षीय केन ने कहा कि वह इस अनुभव का उपयोग अगली चुनौती के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होने के लिए करेंगे। उन्होंने कहा, अब यह अगली चुनौती के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होने के अनुभव का उपयोग करने के बारे में है। पूरे टूर्नामेंट में सभी का समर्थन के लिए धन्यवाद, यह बहुत मायने रखता है। इंग्लैंड अतीत में प्रमुख टूर्नामेंटों में बेहतर नहीं कर पाया है, लेकिन शनिवार को ऐसा नहीं था। वे फ्रांस को टक्कर देने में कामयाब रहा। साका और डेक्लान राइस और अन्य शानदार फुटबॉल खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल थे। उन्होंने कहा, अब यह अगली चुनौती के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होने के अनुभव का उपयोग करने के बारे में है। पूरे टूर्नामेंट में सभी का समर्थन के लिए धन्यवाद, यह बहुत मायने रखता है।

रॉबिन्सन ने कमाल की गेंद चारों खाने चित हुए बाबर आजम

मुंबई । पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मुल्तान में हो रहे दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को जीत के लिए 355 रन का टारगेट मिला है। इसका पीछा कर पाकिस्तान ने अच्छी शुरुआत की थी। इमाम-उल-हक के चोटिल होने की वजह से मोहम्मद रिजवान ने अब्दुल्ला शफीक के साथ पारी की शुरुआत की। अब्दुल्ला और रिजवान ने तीसरे दिन लंच तक बिना विकेट खोए 15 ओवर में 64 रन बना दिए थे। लेकिन लंच के बाद जब पाकिस्तानी बल्लेबाजी फिर से शुरू हुई तब जेम्स एंडरसन और ऑली रॉबिन्सन बिल्कुल बदले हुए तेवर के साथ गेंदबाजी के लिए उतरे। लंच के बाद पहले ही ओवर में एंडरसन ने अपनी अंदर आती गेंद पर मोहम्मद रिजवान को क्लीन बोल्ड किया। एंडरसन के रिजवान को बोल्ड करने के दो ओवर बाद रॉबिन्सन ने कमाल की गेंद फेंककर पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम चारों खाने चित कर दिया। बाबर गेंद की लाइन को पढ़ने में चूक गए और उन्होंने रॉबिन्सन की इस गेंद को छोड़ने के लिए बल्ला हवा में उठा लिया। लेकिन गेंद बाहर जाने के बजाए तेजी से अंदर की तरफ आई और बाबर का ऑफ स्टम्प ले उड़ी। बाबर को कुछ देर तब समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ। इसके बाद बाबर मायूस चेहरा लिए पवेलियन की तरफ लौट गए। बाबर महज 1 रन ही बना सके। पहली पारी में भी ठीक ऐसी ही गेंद पर रॉबिन्सन ने बाबर को क्लीन बोल्ड किया था।

वार्नर के समर्थन में इयान चैपल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने हितों की सोचता

पर्थ । (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कभी अपने खिलाड़ियों के हितों की रक्षा नहीं की और डेविड वॉर्नर ने उन पर लगे कप्तानी प्रतिबंध पर कड़ी प्रतिक्रिया करके अधिकारियों की अपना बचाव करने की आदत का खुलासा किया। वॉर्नर ने उनकी कप्तानी पर लगे आजीवन प्रतिबंध को हटाने की अपील वापस ले ली। उनका कहना था कि समीक्षा पैनल उन्हें सार्वजनिक शर्मिंदगी से गुजारना चाहता है और वह नहीं चाहते कि उनका परिवार 'क्रिकेट की गंदी लॉन्ड्री के लिए वाशिंग मशीन बने। माइकल क्लार्क सहित कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने वॉर्नर का समर्थन किया था और अब इस कड़ी में चैपल का नाम भी शामिल हो गया है। चैपल ने लिखा मुझे तब अच्छा नहीं लगा जब वॉर्नर ने अपने पर लगे कप्तानी प्रतिबंध की समीक्षा करने के आग्रह को वापस लेने का फैसला करते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को आड़े हाथों लिया था। उन्होंने कहा इससे पता चलता है कि वॉर्नर का उनके हितों को लेकर अधिकारियों पर भरोसा नहीं था। वॉर्नर का यह बुद्धिमता पूर्ण फैसला था क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया केवल अपने हितों की रक्षा करता है खिलाड़ियों के नहीं। चैपल ने कहा युवा खिलाड़ियों को वॉर्नर का आभार व्यक्त करना चाहिए क्योंकि उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की केवल अपना बचाव करने की प्रवृत्ति का खुलासा किया। उन्हें भविष्य में इस ध्यान में रखना चाहिए। चैपल ने कहा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वॉर्नर का समीक्षा वापस लेने से पता चलता है कि उन पर कप्तानी को लेकर लगाया गया आजीवन प्रतिबंध का फैसला कितना गलत था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 में गेंद से छेड़छाड़ में शामिल होने के कारण तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ और उप-कप्तान वॉर्नर को एक साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ पर जहां कप्तानी का प्रतिबंध केवल दो साल के लिए लगाया था वहीं वॉर्नर को मामले में आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था।

रोनाल्डो को शुरूआत में बेंच पर रखने का कोई अफसोस नहीं: पुर्तगाल के प्रमुख कोच सांतोस

पुर्तगाल के प्रमुख कोच फर्नांडो सांतोस ने कहा है कि उन्हें स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को शुरूआत में बेंच पर रखने का कोई अफसोस नहीं है। पुर्तगाल की टीम शनिवार को मोरक्को से हारकर फीफा विश्व कप से बाहर हो गयी। योसेफ एन-नसीरी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आधे समय से ठीक पहले गोल दागा जो अंत में मैच विजयी साबित हुआ। दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने दबदबा बनाया लेकिन मोरक्को के डिफेंस में सेंध नहीं लगा पाए। रोनाल्डो लगातार दूसरे मैच में शुरूआत में बेंच पर बैठे। उन्हें रुबेन नेवेस की जगह 51वें मिनट में उतारा गया और उन्होंने आने के साथ ही अपना प्रभाव छोड़ा। उन्होंने जोआओ फेलिक्स को बेहतरीन पास दिया जिसपर बराबरी का गोल हो सकता था लेकिन गोलकीपर यासीन बौनाऊ ने उनके शॉट को बचा लिया। शिन्हुआ ने सांतोस के हवाले से कहा,मुझे उन्हें बेंच पर बैठाने का कोई अफसोस नहीं है। हमने ऐसी टीम उतारी जो राउंड-16 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ काफी अच्छा खेली थी। क्रिस्टियानो महान खिलाड़ी हैं और जब हमें लगा कि उन्हें उतारना जरूरी है वह मैदान पर आये। रोनाल्डो ने विश्व कप में मात्र एक गोल किया और उनका यह गोल शुरूआती मैच में घाना के खिलाफ पेनल्टी पर आया था। क्वार्टरफाइनल मेंअखिरी सीटी बजने के बाद रोनाल्डो सिर झुकाये और आंखों में आंसू के साथ बाहर आये। 37 वर्षीय 195 बार अपने देश के लिए खेले हैं और 118 गोल किये हैं। अंतिम सीटी बजने के बाद वह तुरंत मैदान से बाहर चल दिए। सांतोस ने कहा, दो लोग जो सबसे ज्यादा निराश हुए हैं वे रोनाल्डो और मैं हैं। लेकिन खिलाड़ियों और कोचों के रूप में यह हमारे काम का हिस्सा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रम में ना रहें कि कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतबल यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्?य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रूव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर। प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।

दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।

आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।

दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।

यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

ये 10 प्रकार के दरवाजे नहीं होना चाहिए

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो।

दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।

दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।

एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।

ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।

घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।

कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।

मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।

मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।

घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।

घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

द्वापर युग के महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।

द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।

परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।

इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।

इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।

इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर क्यों नहीं रहना चाहिए?

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।

भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।

यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।

दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।

सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।

सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।

जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

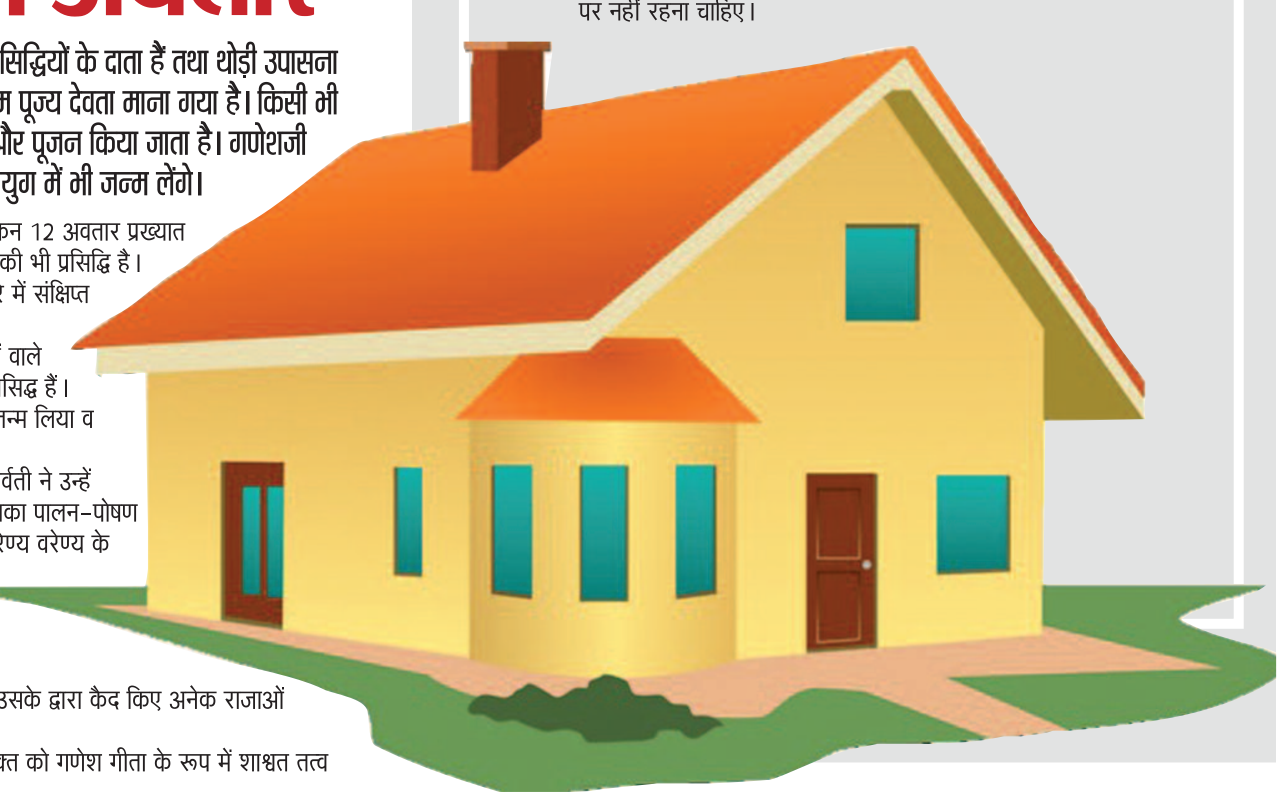

कैलिफोर्निया में बर्फीले तूफान की वजह से बिगड़ी स्थिति तेज हवा वर्षा और बर्फ पड़ने से बनी शटडाउन की स्थिति

रेनो ।उत्तरी कैलिफोर्निया में बर्फीले तूफान की वजह से हालात काफी बिगड़ गए हैं। तेज हवाओं भारी बारिश और कई फीट तक बर्फ पड़ने से सिएरा नवादा में शटडाउन की स्थिति है। हाइवे बंद कर दिए गए हैं पेड़ उखड़ गए हैं और हिमस्खलन की चेतावनी जारी कर दी गई है। उत्तरी कैलिफोर्निया से लेकर लेक ताहोए तक हिमस्खलन की स्थिति है। सिएरा के 400 किलोमीटर तक बर्फीले तूफान की चेतावनी दी गई है। यहां पर रविवार रात या सोमवार की सुबह तक रेनो के उत्तर से लेकर दक्षिण में योसेमिते राष्ट्रीय पार्क तक मौसम खराब रहने की आशंका है। सिएरा में चार फीट तक बर्फ गिरने की उम्मीद है। लेक ताहोए के आसपास के हिस्से छह फीट तक बर्फ में धंसे हैं। 112 किलोमीटर तक दृश ?यता जीरो है और नवादा तक लोग हाइवे में फंसे हैं। ट्रांसपोर्ट अधिकारियों ने लोगों से घरों में रहने की चेतावनी दी है। रेनो से लेकर 80 किलोमीटर तक स्थिति संभालने के लिए जंजीर की मदद से स्थिति को संभालने की कोशिश की जा रही है। एक शक्तिशाली तूफान जो एक वायुमंडलीय नदी की वजह से बना था उसने उत्?तरी कैलिफोर्निया में जमकर तबाही मचाई है। मोंटे रियो में इतनी तेज हवाएं चल रही है कि पेड़ तक गिर गए हैं। तूफान के कारण पूरे क्षेत्र में अचानक बाढ़ आ गई। सैक्रामेंटो से लेकर तट तक बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। मॉन्टेरी काउंटी में कोलोराडो फायर और डोलन फायर बर्न स्कार्स के लिए फ्लैश फ्लड की चिंताओं ने अधिकारियों को शनिवार दोपहर दक्षिण में रैग्ड प्वाइंट से लेकर उत्तर में पालो कोलोराडो रोड तक कम से कम रविवार की सुबह तक हाईवे 1 को बंद रखना पड़ा। मारिन सैन मेटो अल्मेडा और सांता क्लारा काउंटियों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। यहां के ग्रामीण इलाके सोनोमा काउंटी में 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मोंटे रियो में एल्डर पर एक दो मंजिला घर पर एक पेड़ गिरने की वजह से तीन कारों को नुकसान पहुंचा। किराएदारों की मानें तो यह बिल्कुल किसी भूकंप की तरह था।

कोरोना संक्रमण में वृद्धि के बाद चीन ने अस्पतालों में आईसीयू की संख्या बढ़ाई

बीजिंग ।कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि को देखते हुए चीन अस्पतालों में व्यवस्था को दुरुस्त करने की कोशिश कर रहा है। इसने गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) की संख्या बढ़ा दी है। यह व्यवस्था वायरस रोधी पाबंदियों को वापस लेने के बाद की गई है जिसने लोगों को उनके घर में बंद रहने के लिए मजबूर कर दिया है और आर्थिक विकास को भी धीमा कर दिया। इसके विरोध में प्रदर्शन हुए और लोग सड़कों पर उतर आए। सरकारी मीडिया के अनुसार महामारी के मामलों में वृद्धि के चलते अस्पतालों में आईसीयू की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि उत्पन्न स्थिति से निपटा जा सके। चीन में रविवार को महामारी के 10815 नए मामले सामने आए हैं जिनमें 8477 मामले बिना लक्षण वाले हैं।

फिर से शुरू हो सकता है ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन, वेब उपयोगकर्ताओं को प्रति माह आठ डॉलर, आईफोन उपयोगकर्ताओं को प्रति माह 11 डॉलर का शुल्क

न्यूयॉर्क। ट्विटर एक बार फिर अपनी 'ब्लू चेकमार्क' सेवा शुरू करने की कोशिश कर रहा है। एक महीने पहले उसकी यह कोशिश नाकाम रही थी। सोशल मीडिया कंपनी ने शनिवार को कहा कि वह उपयोगकर्ताओं को सोमवार से ट्विटर ब्लू का सब्सक्रिप्शन खरीदने देगी ताकि वे ब्लू वेरिफाइड अकाउंट और विशेष फीचर हासिल कर सकें। ब्लू चेकमार्क मूलत- ऐसी कंपनियों, हस्तियों, सरकारी संस्थाओं और पत्रकारों को दिया जाता है जो ट्विटर द्वारा सत्यापित होते हैं। एलन मस्क ने अक्टूबर में 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीदने के बाद प्रति माह आठ डॉलर के शुल्क पर किसी को भी ब्लू टिक देने की सेवा शुरू की थी, लेकिन कुछ फर्जी उपयोगकर्ताओं ने भी ब्लू टिक हासिल कर लिया था जिसके कारण ट्विटर ने इस सेवा को निलंबित कर दिया था। अब फिर से शुरू हो रही इस सेवा के लिए वेब उपयोगकर्ताओं को प्रति माह आठ डॉलर तथा आईफोन उपयोगकर्ताओं को प्रति माह 11 डॉलर का शुल्क देना होगा। ट्विटर ने कहा कि सब्सक्राइबर्स को कम विज्ञापन दिखेंगे, वे लंबी वीडियो पोस्ट कर पाएंगे और उनके ट्वीट्स को प्रमुखता से दिखाया जाएगा।

संघर्ष के दौरान आईएस के छह आतंकवादी मारे गए

बगदाद । इराक की राजधानी बगदाद स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में संघर्ष के दौरान इस्लामिक स्टेट (आईएस) के छह आतंकवादी और एक नागरिक की मौत हुई है। इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड के कार्यालय ने कहा कि इराकी सैनिकों सरकार समर्थित हशद शाबी के अर्धसैनिक लड़ाकों और नागरिकों ने उत्तरी सलाहुद्दीन के तुलुल अल-बज क्षेत्र में आईएस आतंकवादियों के साथ मिलकर संघर्ष किया। संघर्ष में मारे गए छह आईएस आतंकवादियों में दो आत्मघाती हमलावर शामिल हैं। पिछले महीनों में इराकी सुरक्षा बलों ने चरमपंथी उग्रवादियों की तीव्र गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए उनके खिलाफ अभियान चलाया है।

महिला को प्रसव पीड़ा इमरजेंसी में उतारा प्लेन 14 यात्री उतरकर भागे

मैड्रिड। देश और दुनिया में अक्सर कई बार विमान या फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के कई मामले सामने आते हैं। इन मामलों में तकनीकी खराबी के कारण विमान को आपात स्थिति में उतारा जाता है। इसतरह के मामले बहुत कम सामने जब पैसेंजर्स को होने वाली किसी परेशानी के चलते फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग की गई हो। लेकिन हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया जिसे सुनकर लोग चौंक गए। प्लेन में सवार एक गर्भवती महिला ने कुछ ऐसा कर दिया कि प्लेन इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह सब कुछ मोरक्को से तुर्की जा रही फ्लाइट में हुआ। विमान में सवार एक प्रेग्नेंट महिला ने लेबर पेन की शिकायत की। इसके बाद आनन-फानन में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। लेकिन इसके बाद जो हुआ वहां हैरान करने वाला था। प्लेन में महिला द्वारा प्रसव पीड़ा की शिकायत के बाद विमान को आपात स्थिति में एयरपोर्ट पर उतारा गया। इस दौरान जैसे ही महिला प्लेन से उतर रही थी ठीक उसी समय 28 लोग फ्लाइट से उतरकर भागने लगे. इस दौरान 14 यात्री भागने में कामयाब रहे। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने तुर्की की पेगासस एयरलाइंस के 14 लोगों को हिरासत में लिया है वहीं फरार लोगों की तलाश की जा रही है। जांच में डॉक्टरों ने बताया कि महिला गर्भवती जरूर थी लेकिन बच्चे को जन्म देने वाली नहीं थी। इसके बाद महिला को सार्वजनिक अव्यवस्था अपराध के संदेह में गिरफ्तार किया गया। स्पेन के अधिकारियों ने कहा कि पकड़े गए लोगों में से पांच मोरक्को के कैसाब्लांका शहर से इस्तांबुल जाने वाली फ्लाइट में वापस जाने के लिए तैयार हो गए। बाकी को स्पेन में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

अमेरिका ने उत्तर कोरियाई कंपनी के लिए काम करने पर भारतीय नागरिक पर लगाई रोक

वाशिंगटन । अमेरिका ने उत्तर कोरियाई सरकार द्वारा संचालित एनिमेशन स्टूडियो की ओर से काम करने और उसे सहयोग देने के लिए एक भारतीय नागरिक समेत दो लोगों और सात संस्थाओं पर रोक लगाई है। अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या और अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस के मौके पर यह कार्रवाई की। उसने दुनियाभर में मानवाधिकारों के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के संदेह के लिए जवाबदेही तय करने के प्रयास के तौर पर यह कार्रवाई की। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार अमेरिका ने उत्तर कोरियाई सरकार द्वारा संचालित एनिमेशन स्टूडियो एसईके स्टूडियो की ओर से काम करने और उसे सहयोग मुहैया कराने के लिए दो लोगों तथा सात संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। जिन लोगों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें फ्रांस में रहने वाले किम म्यांग चोल भारत के सुभाष जाधव हांगकांग की एवरलास्टिंग एम्पायर लिमिटेड तिआन फेंग (हांगकांग) होल्डिंग लिमिटेड चीन की फुजियान नान इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी रूसी संघ की लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी कानोटिस सिंगापुर की फनसामा पी लिमिटेड चीन की यांगचेंग श्री लाइन वन प्वाइंट एनिमेशन को लिमिटेड और झांझू यियांगजिन इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेड को लिमिटेड शामिल हैं।

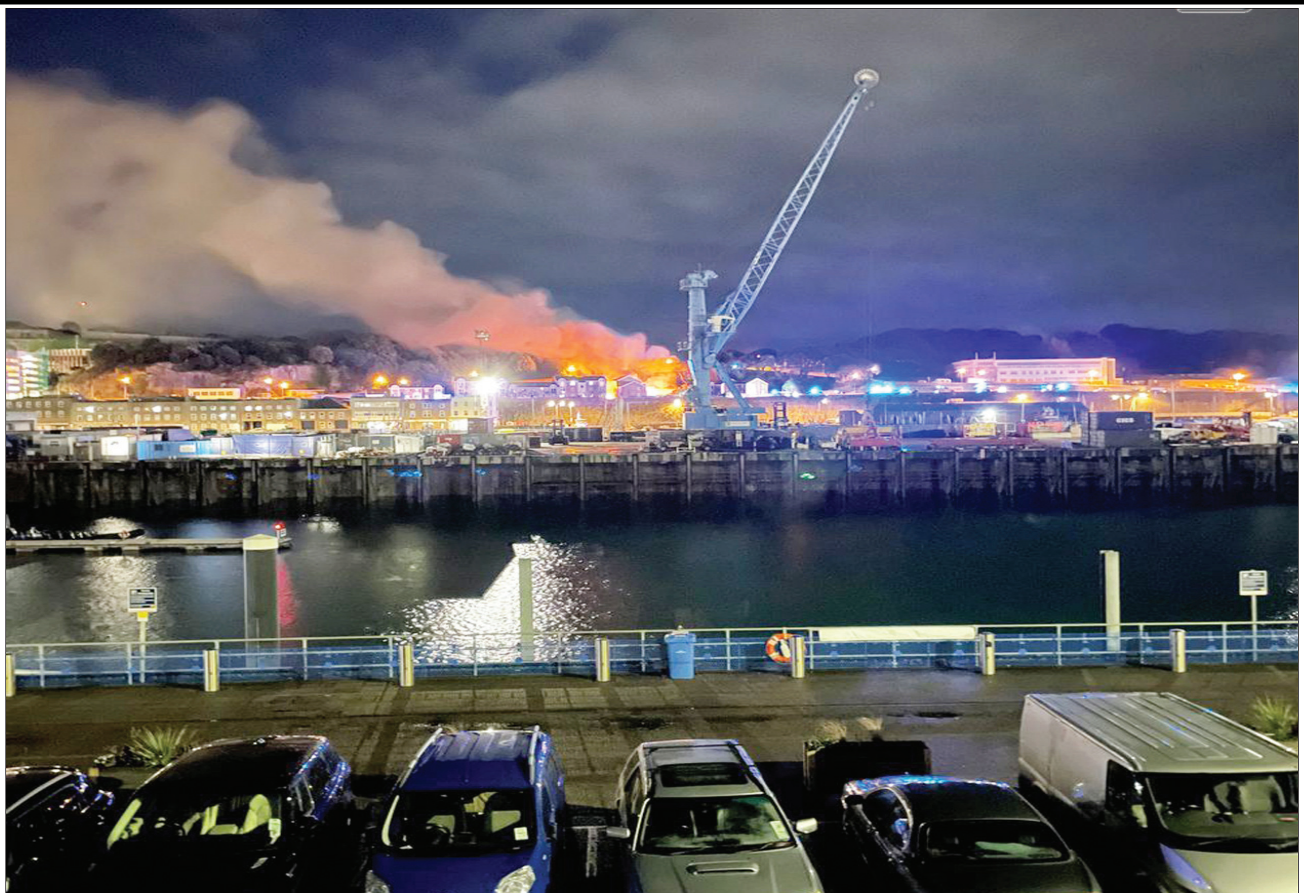
सोशल मीडिया से प्राप्त तस्वीर में जर्सी द्वीप चैनल द्वीप समूह पर एक विस्फोट के बाद सेंट हेलियर में आग और धुएं का दृश्य।

भारत-वियतनाम यात्रा में स्वतंत्रता मानवाधिकार व पर्यावरण कार्यकर्ताओं की सुरक्षा पर दिया जोर : गुतारेस

न्यूयार्क । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि उन्होंने भारत और वियतनाम की अपनी हालिया यात्रा के दौरान नागरिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के रक्षकों के साथ ही पर्यावरण कार्यकर्ताओं की रक्षा की महत्ता पर जोर दिया है। गुतारेस ने गत सप्ताह मॉन्ट्रियल में सीओपी15 जैवविविधता सम्मेलन के दौरान कहा मैं जो प्रमुख संदेश साफ तौर पर देना चाहता हूं वह यह है कि मानवाधिकार सभी पर्यावरणीय चिंताओं के केंद्र में होगा। एक और बात जो मुझे चिंतित करती है वह मानवाधिकार के रक्षकों के साथ ही पर्यावरणीय कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न की है। गुतारेस सरकारों द्वारा पर्यावरण संबंधी प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है कि वे मानवाधिकार उल्लंघनों का शिकार हो रहे हैं और 'हम जानते हैं कि उनमें से कुछ जेलों में हैं कुछ को धमकाया गया है और कुछ ने अपनी जान तक गंवा दी है। गौरतलब है कि नवंबर में मिस्र के शर्म-अल-शेख में जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के मद्देनजर गुतारेस ने 18 से 20 अक्टूबर तक भारत की यात्रा की थी। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिले थे।

भारत ने कहा आतंकवादियों को 'बुरे या अच्छे' की श्रेणी में बांटने का युग खत्म होना चाहिए

रियाद (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र। भारत ने यहां संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि आतंकवादियों को ''राजनीतिक सुविधा'' के आधार पर ''बुरे'' या ''अच्छे'' के तौर पर वर्गीकृत करने का युग तत्काल खत्म होना चाहिए। इसने एक संकल्पना पत्र जारी करते हुए कहा कि आतंकवादी कृत्यों को धार्मिक या वैचारिक रूप में वर्गीकृत करने से आतंकवाद से लड़ने की साझा वैश्विक प्रतिबद्धता कम हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद के मौजूदा अध्यक्ष के तौर पर भारत बहुपक्षवाद में सुधार और आतंकवाद से निपटने के उपायों पर 14 और 15 दिसंबर को दो अहम कार्यक्रम आयोजित करेगा जिसकी अध्यक्षता विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे।

बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने महासचिव एंतोनियो गुतारेस को एक पत्र लिखकर कहा कि विषय पर चर्चा के लिए एक संकल्पना पत्र सुरक्षा परिषद के दस्तावेज के रूप में प्रसारित किया जाए। पिछले सप्ताह लिखे गए संकल्पना पत्र में कहा गया है, ''न्यूयॉर्क में 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले ने आतंकवाद से निपटने में वैश्विक रुख बदल दिया। इसके बाद से लंदन, मुंबई, पेरिस, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के कई हिस्सों में आतंकवादी हमले हुए।'' इसमें कहा गया है कि ये हमले दिखाते हैं कि आतंकवाद का खतरा गंभीर और सार्वभौमिक है तथा दुनिया के एक हिस्से में आतंकवाद का विश्व के अन्य हिस्सों में शांति और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ता है।

पत्र में कहा गया है, ''आतंकवाद का खतरा अंतरराष्ट्रीय है। आतंकवादी तत्व और उनके समर्थक तथा वित्त पोषक अलग-अलग क्षेत्रों में रहते हुए दुनिया में कहीं भी अपने कृत्यों को अंजाम देने के लिए गठजोड़ करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के सामूहिक प्रयासों से ही अंतरराष्ट्रीय खतरे से निपटा जा सकता है।'' भारत ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद की समस्या को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जा सकता और आतंकवाद के सभी कृत्य आपराधिक हैं। इसने कहा, ''सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की जानी चाहिए। किसी भी आतंकवादी कृत्य के लिए कोई अपवाद या उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता।

आतंकवादियों को राजनीतिक सुविधा के आधार पर ''बुरा'', ''उतना भी बुरा नहीं'' या ''अच्छे'' के तौर पर वर्गीकृत करने का युग फौरन खत्म होना चाहिए।'' पत्र में कहा गया है, ''इराक में इस्लामिक स्टेट तथा भारतीय उपमहाद्वीप में लेवंत-खोरासन, अल-कायदा, भारतीय महाद्वीप में अल-कायदा तथा अफगानिस्तान में पनाह लेने वाले आतंकवादी समूहों की ओर से खतरा अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा जमाने के बाद बढ़ गया है।''

इसमें कहा गया है, ''इन आतंकवादी समूहों के लिए हथियारों, मादक पदार्थ, मानव और वित्त की तस्करी करने वाले समुद्री लुटेरों और संगठित आपराधिक नेटवर्कों ने इस आतंकी खतरे को और जटिल बना दिया है। पश्चिमी अफ्रीका के तटीय क्षेत्र में यह खतरा लगातार बढ़ रहा है।'' भारत ने कहा कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथ बढ़ाने और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आतंकवाद के वित्तपोषण का खतरा खासतौर से कोरोना वायरस महामारी के दौरान बढ़ गया है।

अदालत ने छह साल पुराने मानहानि मामले में इमरान की याचिका खारिज की

– शहबाज शरीफ ने इमरान के खिलाफ 6.1 करोड़ डॉलर का मानहानि का यह मामला दर्ज कराया था

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक अदालत ने छह साल पुराने मानहानि के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका खारिज कर दी है। पाकिस्तान के मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमरान के खिलाफ 6.1 करोड़ डॉलर का मानहानि का यह मामला दर्ज कराया था। इमरान ने मामले में उन्हें जवाब देने के अधिकार से वंचित करने से संबंधित लाहौर की सत्र अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश चौधरी मुहम्मद इकबाल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इमरान की याचिका खारिज कर दी और सत्र अदालत का फैसला बरकरार रखा। इससे पहले सत्र अदालत ने कहा था कि 70 वर्षीय इमरान ने शहबाज द्वारा उठाई गईं आपत्तियों पर समय पर जवाब देने में नाकाम रहने के कारण जवाब देने या विरोध करने का अपना अधिकार खो दिया है। इमरान ने अप्रैल 2017 में आरोप लगाया था कि शहबाज ने पूर्व प्रधानमंत्री और उनके बड़े भाई नवाज शरीफ के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में लंबित पनामा पेपर मामले को वापस लेने के लिए इमरान को एक साझा मित्र के माध्यम से 6.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर लगभग 10 अरब पाकिस्तानी रुपए की पेशकश की थी।

इमरान ने उस व्यक्ति का नाम नहीं बताया था जिसने उन्हें शहबाज की तरफ से कथित तौर पर 6.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी। बाद में शहबाज की ओर से दायर मानहानि याचिका में कहा गया था कि प्रतिवादी (इमरान) ने उनके खिलाफ झूठे और दुर्भावनापूर्ण बयान दिए हैं। शहबाज ने आरोप लगाया था कि इमरान ने उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने अदालत से इस मामले में मुआवजे के रूप में 6.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर वसूलने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया था। वर्ष 2017 में पनामा पेपर मामले में पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के अयोग्य घोषित कर दिया था।

पेरू : राष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे ने कैबिनेट से भ्रष्टाचार विरोधी शपथ लेने को कहा

लीमा (एजेंसी)। पेरू की राष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे ने देश की पहली महिला राष्ट्राध्यक्ष बनने के महज तीन दिन बाद शनिवार को नयी कैबिनेट को शपथ दिलाई और अपने हर मंत्री से भ्रष्टाचार में लिप्त न होने का संकल्प लेने को कहा। पेड्रो कैस्टिलो को बुधवार को देश के राष्ट्रपति पद से हटाया गया था। इसके बाद उपराष्ट्रपति के रूप में सेवाएं दे रहीं बोलुआर्टे को राष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। उन्होंने कैबिनेट के लिए 16 मंत्रियों का चयन किया, जो राजनीतिक संकट का सामना कर रहे दक्षिण अमेरिकी देश में स्थिति को संभालने में अहम भूमिका निभाएंगे।

बोलुआर्टे ने ऐसे समय में अपने मंत्रियों को शपथ दिलाई, जब पेरू में कई लोग मांग कर रहे हैं कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और देश में आम चुनाव कराए जाने चाहिए। बोलुआर्टे (60) ने शनिवार को कैबिनेट में शामिल आठ पुरुषों और आठ महिलाओं को ''भ्रष्टाचार किए बिना वफादारी और ईमानदारी से'' अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ लेने को कहा।

यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर पुतिन पर बरसे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता

ओस्लो (एजेंसी)। बेलारूस, रूस और यूक्रेन के नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं ने शनिवार हुए पुरस्कार समारोह में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तीखी आलोचना की। इस साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने वालीं यूक्रेन के मानवाधिकार संगठन 'सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज' की ओलेक्सेंद्रा मैटविचुक ने एक राजनीतिक समझौते की अपील को खारिज कर दिया, जिसके जरिए रूस को यूक्रेन के उन क्षेत्रों को अपने पास रखने की अनुमति मिलेगी, जिनपर उसनेआक्रमण करके अवैध रूप से कब्जा कर लिया है।

मैटविचुक ने कहा, शांति के लिए संघर्ष करने का मतलब हमलावर के दबाव में झुकना नहीं है। इसका मतलब लोगों को उसकी कूरता से बचाना है। उन्होंने कहा, जिस देश पर हमला हो रहा है, वह हथियार डाल कर शांति हासिल नहीं कर सकता। उन्होंने अपनी पुरानी अपील दोहराई कि पुतिन और यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूसी सैनिकों को जमीन मुहैया कराने वाले बेलारूस के तानाशाह राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाया जाए। मैटविचुक को अक्टूबर में रूसी मानवाधिकार समूह 'मेमोरियल' और बेलारूस के अधिकार समूह 'वियासना' के प्रमुख एलेस बियालियात्स्की के साथ 2022 का नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी।

बेलारूस की जेल में बंदऔर 12 वर्ष तक के कारावास की सजा काट रहे बियालियात्स्की को अपना भाषण भेजने की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने जेल में अपनी पत्नी नतालिया पिंचुक से मुलाकात के वक्त अपने कुछ विचार साझा किए थे। पिंचुक ने पुरस्कार समारोह में बियालियात्स्की के वे विचार साझा किए। बियालियात्स्की के हवाले से पिंचुक ने कहा, मेरा देश बेलारूस जेल की तरह है। उन्होंने कहा, यह पुरस्कार मेरे सभी मानवाधिकार रक्षक मित्रों, सभी नागरिक कार्यकर्ताओं, उन हजारों बेलारूसियों के लिए है जो मार-पीट, यातना, गिरफ्तारी, कारावास से गुज़रे हैं। बियालियात्स्की ने लुकाशेंको को पुतिन का एक औजार बताया।

उन्होंने कहा कि रूसी नेता पूर्व सोवियत संघ की पूरी जमीन पर अपना प्रभुत्व कायम करना चाहता है। उन्होंने कहा, मैं अच्छी तरह जानता हूं कि रूस और पुतिन किस तरह का यूक्रेन चाहता है- एक तानाशाही वाला आश्रित यूक्रेन। 'मेमोरियल' समूह के जेन रचिंस्की ने अपने भाषण में कहा कि आज रूस में नागरिक समाज की दुखद स्थिति उसके अनसुलझे अतीत का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने यूक्रेन और अन्य पूर्व सोवियत राष्ट्रों के इतिहास, सरकार और स्वतंत्रता को बदनाम करने के रूस के प्रयासों की निंदा की।

रूस ने पूर्वी यूक्रेन में हमले तेज किए, बखमुत शहर को 'नष्ट' किया

मॉस्को। (एजेंसी)। कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के बखमुत शहर को 'नष्ट' कर दिया है। इस बीच, यूक्रेनी सेना ने भी शनिवार को बताया कि रूस ने देश के उन कई हिस्सों में मिसाइल, रॉकेट और हवाई हमले किये, जिन्हें वह महीनों से जारी प्रतिरोध के बीच जीतने का प्रयास कर रहा है। साढ़े नौ महीने से जारी इस युद्ध में रूस का ध्यान अब यूक्रेन के उन चार प्रांतों पर केंद्रित हो गया है जिन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गत सितंबर में कब्जा करने का दावा किया था।

युद्ध से संकेत मिलता है कि रूस को उन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है जबकि यूक्रेन इन क्षेत्रों को दोबारा हासिल करने को लेकर अडिग है। जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुहांस्क प्रांतों के कई अग्रिम शहरों में हालात बहुत कठिन हैं। ये प्रांत डोनबास क्षेत्र के तहत आते हैं, जो रूसी सीमा पर स्थित एक औद्योगिक क्षेत्र है। पुतिन का ध्यान युद्ध की शुरुआत से ही इस क्षेत्र पर रहा है, जहां अलगववादी 2014 से ही लड़ रहे हैं। जेलेंस्की ने रात में जारी अपने वीडियो संदेश में कहा, ''बखमुत, सोलेदर, मारयिंका, क्रेमिना।

लंबे समय से इन क्षेत्रों की जमीन पर कोई रहने लायक ऐसा स्थान नहीं बचा है जहां रूसी गोलाबारी से नुकसान नहीं हुआ हो।'' जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने डोनबास क्षेत्र के एक और शहर बखमुत को असल में ''नष्ट'' कर दिया। बखमुत में कुछ इमारतें अब भी खड़ी हैं और बाशिंदे अब भी शहर की सड़कों पर घूम रहे हैं। इस क्षेत्र पर मॉस्को से हमले से पहले भी यहां लोग कई सप्ताह से पानी और बिजली आपूर्ति का अभाव झेल रहे है। यूक्रेनी सैन्य जनरल ने शुक्रवार और शनिवार के बीच रूस की ओर से 20 हवाई हमले और 60 से अधिक रॉकेट हमले के अलावा मिसाइल हमले किये जाने की जानकारी दी।

प्रवक्ता अलेक्जेंडर शुतपुन ने कहा कि बखमुत जिले में सबसे सक्रिय लड़ाई हुई, जहां आबादी वाले 20 से अधिक स्थान गोलाबारी की चपेट में आ गये। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना ने दोनेत्स्क और पड़ोसी लुहांस्क में रूसी हमले को नाकाम कर दिया। यूक्रेनी अधिकारियों और विश्लेषकों ने कहा कि रूस ने पिछली गर्मी के दौरान करीब पूरे लुहांस्क क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था, इसके बाद दोनेत्स्क पर कब्जा किया। उन्होंने कहा कि अब रूस ने हाल के हफ्तों में बखमुत शहर की घेराबंदी करने के लिए अपनी सेना और संसाधनों को बढ़ा दिया है। यूक्रेन की सेना ने शनिवार को उत्तर पूर्व में खारकीव और सुमी, मध्य यूक्रेन के निप्रॉपेट्रोस, दक्षिण पूर्व में जापोरिज्जिया और दक्षिण में खेरसॉन में भी हमलों की सूचना दी।

9 दिनों में शख्स ने पुलिस को किया 2000 बार फोन कर कहे अपशब्द 27 घंटे की बातचीत के बाद गिरफ्तार

न्यूर्याक (एजेंसी)। भारत जैसे कई देशों में अगर मुसीबत के वक्त पुलिस को बुलाना हो तो उसके लिए जनता को खास नंबर मुहैया कराए जाते हैं ताकि जरूरत पड़ने पर वह आसानी से पुलिस को फोन कर सके और अपनी मुश्किलों को बता सके। आपने अक्सर देखा होगा कि इन नंबरों पर कॉल करके लोग अपनी समस्याओं को पुलिस तक पहुंचाते हैं पर क्या आपने कभी किसी को पुलिस को फोन कर बुरा-भला कहते देखा-सुना है?

शायद नहीं क्योंकि कोई ऐसा काम नहीं करना चाहेगा। पर जापान के एक शख्स ने ऐसा ही किया जब उसने पुलिस को फोन कर काफी कुछ बुरा कहा। जापान के सैतामा प्रीफेक्चर इलाके से एक ऐसी घटना का खुलासा हुआ जिसने सभी को चौंका दिया। दरअसल यहां एक 67 साल के बुजुर्ग शख्स ने पुलिस को सिर्फ 9 दिनों में 2000 से ज्यादा बार फोन किया और उनकी आलोचना की। रिपोर्ट के मुताबिक शख्स ने 30 सितंबर 2022 से 8 अक्टूबर 2022 तक पुलिस को 2060 बार कॉल किया। इसके हिसाब से उसने हर 6 मिनट पर एक बार पुलिस को फोन किया और अगर कुल समय को जोड़ा जाए तो उसने 9 दिनों में करीब 27 घंटे पुलिस से बात की। वह फोन करके उन्हें टैक्स चोर बेवकूफ और नौकरी छोड़ देने की बात कहता। जब पुलिस इस व्यक्ति से परेशान हो गई तो उन्होंने उसके घर पर छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि शख्स ने खुद ही अपने जुर्म को कुबूल कर लिया और कहा कि उसे इस बात का अंदाजा था कि पुलिस उसे खोजते हुए घर तक आ जाएगी।

बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया है। केंद्रीय न्याय एवं कानून मंत्री किरण रिजिजू ने रविवार को इस बारे में ट्वीट किया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सितंबर के आखिरी हफ्ते में जस्टिस दत्ता को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति की सिफारिश की थी। मूल रूप से कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति दत्ता को 28 अप्रैल 2020 को बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उस समय कोरोना वायरस के मद्देनजर पूरे देश में लॉक डाउन लागू की गई थी और हवाई यातायात भी बंद था, ऐसे में मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेने और कार्यभार संभालने के लिए जस्टिस दत्ता ने सड़क मार्ग से कोलकाता से मुंबई का सफर तय किया। सुप्रीम कोर्ट की नियुक्ति की सिफारिशों को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी देने के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया है। इस आशय की एक अधिसूचना जारी करने के बाद न्यायमूर्ति दत्ता को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया है।

– न्यायमूर्ति दत्ता के जीवन पर एक नजर

न्यायमूर्ति दत्ता के पिता भी कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश थे। जस्टिस दत्ता का जन्म 9 फरवरी 1965 को हुआ था। उन्होंने 1989 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक किया। उन्होंने उसी वर्ष एक वकील के रूप में दाखिला लिया। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में संवैधानिक और दीवानी मामले भी लड़े। बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति के बाद न्यायमूर्ति दत्ता ने महत्वपूर्ण मामलों विशेषकर जनहित याचिकाओं में महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। इनमें कोरोना से जुड़े मामले मेट्रो-3 कारशेड विवाद पवई में साइकिल पथ का मामला मीडिया आधारित फैसलों का मुद्दा मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ दायर याचिका मीडिया के दमन के संबंध में सूचना-प्रौद्योगिकी अधिनियम में किए गए संशोधन को चुनौती तथा सरकारी नौकरियों में तीसरे पक्ष को समायोजित करने के लिए नीति तैयार करने का मामला शामिल है।

कम नहीं हो रही सौम्या चौरसिया की परेशानियां, अब ईडी ने जब्त कि 150 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी

नई दिल्ली । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपसचिव सौम्या चौरसिया समेत अन्य पांच आरोपियों की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने अब पांच आरोपियों की 150 करोड़ से अधिक की 91 संपत्तियों को जब्त कर लिया है। तथा कथित कोयला घोटाला की जांच के दौरान ये एक्शन लिया गया है। इससे पहले इस मामले में विशेष अदालत ने मामले में गिरफ्तार उपसचिव सौम्या चौरसिया की प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत अवधि चार दिनों के लिए बढ़ा दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। चौरसिया के अधिवक्ता फैजल रिजवी ने बताया कि अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की अदालत ने उनकी मुवक्किल की ईडी हिरासत की अवधि चार दिनों के लिए बढ़ा दी है। वह (चौरसिया) मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में पदस्थ है। ईडी ने इस महीने की दो तारीख को चौरसिया को गिरफ्तार किया था तथा उसे अदालत में पेश किया गया था। अदालत ने उसे चार दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया था। मंगलवार को यह अवधि समाप्त होने पर ईडी ने चौरसिया को अदालत में पेश किया था। तब उसे आज तक के लिए ईडी हिरासत में भेजा गया था। रिजवी ने बताया कि आज हिरासत अवधि समाप्त होने पर ईडी ने चौरसिया को अदालत में पेश किया तथा छह दिनों की और हिरासत की मांग की जिसका उन्होंने (रिजवी ने) विरोध किया। बाद में अदालत में चौरसिया को चार दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। अधिवक्ता ने बताया कि चौरसिया को 14 दिसंबर को अदालत में पेश किया जाएगा। मौजूदा कांग्रेस की सरकार में प्रभावशाली अधिकारी माने जाने वाली चौरसिया को ईडी ने पूछताछ के बाद धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दो दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया था। आयकर विभाग की एक शिकायत का संज्ञान लेने के बाद ईडी ने धनशोधन जांच शुरू की थी। ईडी ने अपनी जांच के तहत अक्टूबर में राज्य के कई शहरों में छापेमारी की थी। इसके बाद आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई, कोयला व्यापारी सूर्यकांत तिवारी, उनके चाचा लक्ष्मीकांत तिवारी और एक अन्य कोयला व्यवसायी सुनील अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय ने राज्य में कथित कोयला लेवी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में शुक्रवार को रायपुर की विशेष अदालत में एक अभियोजन परिवाद पेश किया। इस मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के एक अधिकारी तथा तीन अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने परिवाद में उल्लेख किया है कि वरिष्ठ अधिकारियों, व्यापारियों, राजनेताओं और बिचौलियों से जुड़े एक कार्टेल के द्वारा राज्य में कोयला परिवहन के लिए 25 रुपये प्रति टन की अवैध उगाही की जा रही थी।

बिहार की नजता नीतिश कुमार से ऊब चुकी हैं केंद्रीय मंत्री का तंज

रांची । मोदी सरकार में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार की जनता अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से ऊब चुकी है। वहीं बिहार में निरंकुशता बढ़ती दिख रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार का अमन–चैन बर्बाद हो रहा है। आपराधिक घटनाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। इसकारण कुढ़नी विधानसभा उपचुनाव में नीतीश कुमार को क्षेत्र की जनता ने सबक सिखाने का काम किया। कुढ़नी उपचुनाव में जनता ने उन राजनीतिक दलों को आईना दिखाने का काम किया जो समीकरण जोड़ रहे थे। श्री सिंह ने कहा कि कुछ दल एम.वाई का समीकरण तब बाबूजी का समीकरण और फलां पार्टी का समीकरण की बात कर रहे थे वहीं एक पार्टी के नेता कह रहे थे कि वे है तभी उनका समाज है। इन सभी को बिहार की जनता ने कुढ़नी में सबक सिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक गठबंधन राज्यहित को लेकर बनता है तब अच्छा होता है। राज्यहित को लेकर 1996 में पार्टी ने नीतीश कुमार के साथ गठबंधन किया था लेकिन जब राज्यहित की जगह पदहित ज्यादा महत्वपूर्ण होता है ऐसी समस्या उत्पन्न होती है।

बम खोजी दस्ते ने तरनतारन में विस्फोट स्थल का किया निरीक्षण

तरनतारन । पंजाब के तरनतारन के सरहाली कलां पुलिस स्टेशन में बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) के सदस्य निरक्षण करने पहुंचे। राकेट लांचर अटैक के बाद थाना के एसएचओ प्रकाश सिंह का तबादला कर दिया गया है। आतंकी हमले के अलर्ट के बीच तरनतारन के सरहाली पुलिस थाने पर शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे आरपीजी (रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड) से हमला हुआ था। यह सात माह में दूसरा आरपीजी अटैक है। तरनतारन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गुरमीत सिंह चौहान ने कहा था कि जांच में कुछ संदिग्धों से पूछताछ की गई है। गौरतलब है कि खालिस्तानी आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने हमले की जिम्मेदारी ली। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा पुलिस सुविधा केंद्र में एक आरपीजी मारा गया है। यूएपीए के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहाफॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि हम सभी कमजोर बिंदुओं को जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों को डरने की जरूरत नहीं है और आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस का सहयोग करने की अपील की। डीजीपी ने कहा हम पंजाब के लोगों पुलिस थानों और सभी प्रतिष्ठानों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले हैं।

असम के मुख्यमंत्री सरमा ने बिश्वनाथ में 19 परियोजनाओं की नींव रखी

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को बिश्वनाथ जिले में 425.75 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय वाली 19 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। सरमा ने बिश्वनाथ के कमलाकांत क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया और राज्य के बिश्वनाथ गोहपुर और सूटिया विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने वाली 12 योजनाओं की नींव रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि राज्य के सभी वर्गों के कल्याण के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने उल्लेख किया कि बिश्वनाथ जिले में 6000 लाभार्थियों को राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम ओरुनोदोई योजना में नए सिरे से शामिल किया जाएगा जिसमें महिलाओं के एक वर्ग को सरकार से मासिक वित्तीय सहायता प्राप्त होती है।

पीएम मोदी की लोकप्रियता का गुजरात चुनाव में बड़ा फायदा मिला: अनुराग ठाकुर

अहमदाबाद (एजेंसी)। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने अहमदाबाद पहुंचे केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि गुजरात में भाजपा की प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता को आभारी है। पीएम मोदी की लोकप्रियता का गुजरात चुनाव में भाजपा को जबर्दस्त फायदा मिला है। गुजरात की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए ठाकुर ने कहा कि भाजपा पर फिर एक बार भरोसा कर गुजरात की जनता ने भाजपा को प्रचंड जीत दिलाई है। भाजपा और मोदी के काम पर गुजरात की जनता ने भरोसा किया है। प्रचंड जीत से स्पष्ट हो गया है कि गुजरात की जनता पीएम मोदी से कितना प्यार करती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा के चुनाव हों या विधानसभा के गुजरात की जनता हमेशा कमल खिलाया है। इस बार की जीत को ऐतिहासक बताते

हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि 27 वर्ष तक सत्ता में रहने के बाद भी इस प्रकार का शानदार विजय दर्शाता है कि अच्छा काम करने वाले के साथ जनता हमेशा देती है। खासकर जब मोदी जैसे नेतृत्व भाजपा को मिला है ऐसे में उनका विकास मॉडल और मोदी दोनों ही देश में लोकप्रिय हो गए हैं। इसका लाभ गुजरात के चुनाव में मिला है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि आम आदमी पार्टी के झूठी घोषणा और दावों की गुजरात की जनता पहले ही समझ गई थी। पंजाब में आप की सरकार बनने के तीन महीने में 90 लोगों की हत्या की जा चुकी है। पंजाब में फिर खालिस्तान की मांग तेज हो रही है। पंजाब ही नहीं दिल्ली में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रहनेवाले उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को केजरीवाल सरकार ने किराया देने का वादा किया था लेकिन संकट के समय में उन्हें भगा दिया। ऐसे समय में मोदी सरकार ने मुफ्त राशन देने का काम किया था। आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश में जमानत जब्त करवा चुकी है। उत्तर प्रदेश में जमानत जब्त करवा चुकी है और गुजरात की जनता ने भी उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

कांग्रेस को गुजरात की हार से सबक लेने की जरूरत साइलेंट चुनाव प्रचार जैसी कोई चीज नहीं होती : चिंदबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि कांग्रेस ही वह 'ध्रुव' बनने की सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है जिसके इर्द–गिर्द 2024 के आम चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी मोर्चा गठित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को गुजरात में मिली हार से सबक लेने की जरूरत है। चिदंबरम ने कहा अगर हरियाणा और पंजाब को छोड़ दिया जाए तो दिल्ली के बाहर आम आदमी आदमी (आप) को कोई खास लोकप्रियता हासिल नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस को गुजरात में मिली हार से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कड़े मुकाबले वाले चुनावों में साइलेंट चुनाव प्रचार जैसी कोई चीज नहीं होती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आप ने गुजरात में उसी तरह खेल बिगाड़ा जैसा उसने गोवा और उत्तराखंड में किया था। उन्होंने गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभाओं और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के हालिया चुनावों के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात पर चिंतन करना चाहिए कि भाजपा इन तीनों में सत्ता पर काबिज थी लेकिन उसे दो में हार झेलनी पड़ी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा यह भाजपा के लिए बड़ा झटका है। गुजरात में जीत महत्वपूर्ण है लेकिन इससे यह सच्चाई नहीं छिप सकती कि सत्ता पर काबिज भाजपा को हिमाचल प्रदेश और एमसीडी में निर्णायक हार झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस और एमसीडी में 'आप' ने बड़े अंतर से जीत हासिल की।

भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से मुस्लिम समाज को वोट बैंक समझने वाले नेताओं की चिंता बढ़ी : अंसारी

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने रविवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रति समर्थन के मुसलमानों के रुख से मुस्लिम समाज को अपना वोट बैंक समझने वाले नेताओं की चिंताएं बढ़ गई हैं। दानिश आजाद अंसारी ने बलिया में कहा उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ दिए जाने के कारण मुस्लिम समाज जागरूक हो गया है।

वह अब अपना भला-बुरा अच्छी तरह से समझता है। मुस्लिम समाज अमन की राह पर चल पड़ा है और एकजुट होकर तरक्की रोजगार व शिक्षा की तरफ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश

के अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ राज्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी (सपा) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी (एआईएमआईएम) पर निशाना साधते हुए कहा मुस्लिम समाज की अच्छी तस्वीर और उसकी तरक्की के साथ ही देश और सूबे के विकास में उसकी भागीदारी मुस्लिम समाज को अपना वोट बैंक समझने वाले तथाकथित नेताओं को रास नहीं आ रही है। इससे इन लोगों की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं।

अंसारी ने कहा कि मुस्लिम वोट बैंक के ठेकेदारों की हमेशा से यह चाहत रही है कि मुस्लिम समाज विकास से वंचित और अशिक्षित रहे वह केवल उनका वोट बैंक ही बना रहे। उन्होंने भाजपा सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुस्लिम समाज की तरक्की के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। यही कारण है कि अब मुस्लिम समाज भी खुलकर भाजपा के पक्ष में मतदान कर रहा है।

अंसारी ने कहा कि आजमगढ़ और रामपुर के लोकसभा उपचुनाव और 60 फीसदी मुस्लिम आबादी वाले रामपुर विधानसभा क्षेत्र के हालिया उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत से यह स्पष्ट भी हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी नेता अब मुस्लिम समाज को बरगला नहीं सकता।

जी–20 वित्त और केंद्रीय बैंकों के उप–प्रमुखों की बैठक मंगलवार से बेंगलुरु में

नई दिल्ली (एजेंसी)। जी-20 वित्त और केंद्रीय बैंकों के उप-प्रमुखों (एफसीबीडी) की पहली बैठक 13-15 दिसंबर के दौरान बेंगलुरु में होगी। यह बैठक जो भारतीय जी-20 अध्यक्षता के अंतर्गत वित्त ट्रैक एजेंडे पर चर्चा की शुरुआत को रेखांकित करेगी वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जाएगी। जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के नेतृत्व में जी-20 वित्त ट्रैक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर केंद्रित है। वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की पहली बैठक 23-25 फरवरी 2023 के दौरान बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाली जी-20 शिखर सम्मेलन के अपने संबोधन में कहा था कि आज आवश्यकता इसकी है कि विकास के लाभ सार्वभौमिक और सर्व-समावेशी हों। वित्त मंत्रालय ने विचार को जी-20 वित्त ट्रैक एजेंडे में शामिल किया है। उन्होंने हमें एक विज़न भी दिया है- भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि जी-20 अगले एक साल में नए विचारों की परिकल्पना करने और सामूहिक कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक वैश्विक सर्वाधिक प्रमुख शक्ति के रूप में कार्य करे। जी-20 वित्त और केंद्रीय बैंक के उप-प्रमुखों की आगामी बैठक की सह-अध्यक्षता आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ और रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर डॉ. माइकल डी. पात्रा द्वारा की जाएगी। बैठक में उनके जी-20 सदस्य देशों के समकक्ष और कई अन्य देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के समकक्ष भाग लेने वाले हैं जिन्हें भारत द्वारा आमंत्रित किया गया है।

मायावती ने कहा रामपुर में कम वोटिंग कही सपा और भाजपा की मिलीभगत तो नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने पिछले दिनों रामपुर विधानसभा उपचुनाव में 'योजनाबद्ध तरीके से कम मतदान करवाने का आरोप लगाकर कहा कि कहीं यह समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अंदरूनी मिलीभगत का परिणाम तब नहीं है। मायावती ने ट्वीट में कहा के मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में सपा की जीत हुई लेकिन रामपुर विधानसभा उपचुनाव में आजम खां की खास सीट पर योजनाबद्ध तरीके से कम मतदान करवाकर सपा की पहली बार हुई हार पर यह चर्चा काफी गर्म है कि कहीं यह सब सपा और भाजपा की अंदरूनी मिलीभगत का ही परिणाम तो नहीं?

बहनजी ने दूसरे ट्वीट में कहा इस बारे में खासकर मुस्लिम समाज को काफी चिंतन करने और समझने की जरूरत है ताकि आगे होने वाले चुनावों में धोखा खाने से बचा जा सके। खतौली विधानसभा सीट पर भाजपा की हार को भी लेकर वहां काफी संदेह बना हुआ है। यह भी सोचने वाली बात है। रामपुर से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने मायावती की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि इस साल जून में हुए रामपुर लोकसभा उपचुनाव में रामपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में 31.5 फीसदी मतदान हुआ था जबकि पिछली पांच

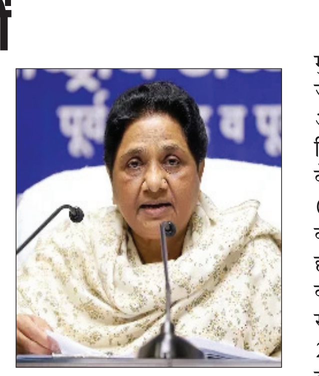

दिसंबर को विधानसभा उपचुनाव के दौरान यह 35 प्रतिशत वोट पड़े लिहाजा यह कहना गलत होगा कि वहां जानबूझकर कम मतदान कराया गया।

वहीं सपा के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने आरोप लगाया कि बसपा भाजपा की 'बी टीम' के तौर पर काम करती है और हर चुनाव में वह अपना वोट भाजपा को दिलाने की हर मुमकिन कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस बार उपचुनाव में उसका यह प्रयास सफल नहीं हुआ और लोगों ने बसपा की रणनीति को समझकर उस खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि सपा के संस्थापक सदस्य और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां का गढ़ माने जाने वाले रामपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में पिछली आठ दिसंबर को घोषित उपचुनाव के नतीजे में भाजपा के आकाश सक्सेना ने सपा प्रत्याशी आसिम राजा को करीब 32000 मतों से पराजित किया था।

नीतीश कुमार ने भाजपा पर लगाया आरोप, कहा 2020 के बिहार चुनाव में जद(यू) के खिलाफ की साजिश

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर रविवार को आरोप लगाया कि उसने 2020 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन में होने के बावजूद जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के खिलाफ काम किया और कोशिश की कि उसके उम्मीदवारों की हार हो। कुमार ने फिर कहा कि भाजपा का विरोध करने वाले दल अगर एक साथ आने पर सहमत हो जाएं, तो वे 2024 के लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत सकते हैं।

जद(यू) नेता ने अपने पूर्व गठबंधन सहयोगी का नाम लिए बिना कहा, 'उन्हें (भाजपा को) याद दिलाना चाहिए कि इससे पहले कभी

भी हमारी पार्टी को 2005 या 2010 के विधानसभा चुनाव में इतनी कम सीट नहीं मिली। 2020 में, हमें नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि उन्होंने हमारे उम्मीदवारों की हार सुनिश्चित करने की कोशिश की।' उन्होंने कहा कि वह फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे, लेकिन भाजपा के आग्रह पर पद स्वीकार करने पर सहमत हुए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'लेकिन बिहार को (केंद्र की भाजपा सरकार से) कुछ नहीं मिल रहा था। विशेष दर्जे की मांग नहीं मानी गई। वह (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) उस राज्य से ताल्लुक रखते हैं, जो ब्रिटिश शासन के समय से ही समृद्ध रहा है। गरीब राज्यों का विकास किए बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता है। कुमार (71) ने कहा, 'मैं कहता हूं कि अगर उनका (भाजपा का) विरोध करने वाले सभी दल एक साथ आ जाएं, तो ऐसा समूह भारी बहुमत का आश्वासन दे सकता है, लेकिन गेंद ऐसे सभी दलों के पाले में है। मैं इसे साकार करने की कोशिश करता रहूंगा।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा लोगों का सर्वांगीण विकास, लोकतांत्रिक अधिकारों के सम्मान के बिना संभव नहीं

ठाणे(एजेंसी)। श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के सर्वांगीण विकास का विचार तब तक सार्थक नहीं हो सकेगा, जब तक उनके बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार अपरिहार्य हैं और हर व्यक्ति की गरिमा में निहित हैं। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर दिए अपने संदेश में कहा, 'सत्तारूढ़ गठबंधन ऐसा आख्यान देकर राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक सीढ़ियां चढ़ने के लिए जम्मू-कश्मीर का इस्तेमाल कर रहा है, जो जमीनी हकीकत से मेल

नहीं खाता है।'

उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं को नौकरी देना तो दूर की बात है, जम्मू-कश्मीर से जुड़े मामलों पर नियंत्रण रखने वाली केंद्र सरकार ने सैकड़ों नौकरीपेशा युवाओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अब्दुल्ला ने कहा, 'एक भी चयन प्रक्रिया ऐसी नहीं है, जो किसी घोटाले के रूप में समाप्त न हुई हो। हमारे सरकारी कर्मचारी बहुत दबाव में काम कर रहे हैं। इस सरकार द्वारा श्रम अधिकारों का व्यापक अधिग्रहण हम सभी के लिए चिंता का मुख्य विषय है। इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने की जरूरत है।' नेकां अध्यक्ष ने क्षेत्र में प्रेस की आजादी पर कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में एक मजबूत शासन के लिए प्रेस की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है।

जम्मू कश्मीर में नई पहले के तहत हर परिवार को मिलेगी 'यूनिक आईडी'

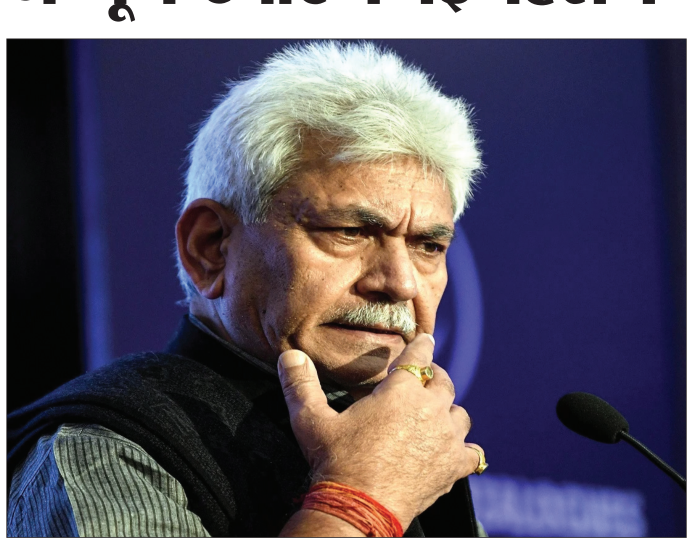

जम्मू। (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में सभी परिवारों का एक प्रामाणिक 'डेटाबेस' बनाने की योजना बना रहा है। इसमें शामिल किये गये प्रत्येक परिवार का एक अनूठा 'कोड' होगा और इस कदम का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक योजनाओं के पात्र लाभार्थियों के चयन को आसान बनाना है। 'फैमिली आईडी' आवंटित करने के प्रस्तावित कदम का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वागत किया है, लेकिन अन्य दलों ने निजी जानकारी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। रियासी जिले के कटरा में 'ई-गवर्नेंस' पर हालिया राष्ट्रीय सम्मेलन में, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एक प्रामाणिक, सत्यापित और विश्वसनीय 'डेटाबेस' बनाने के लिए 'डिजिटल जम्मू कश्मीर दृष्टि पत्र जारी किया।

दृष्टि पत्र के अनुसार, 'प्रत्येक परिवार को एक अनूठा कोड प्रदान किया जाएगा जिसे 'जेके फैमिली आईडी' कहा जाएगा। कोड में अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर और अंक संख्या होगी। परिवार डेटाबेस में उपलब्ध जानकारी का उपयोग सामाजिक लाभों के लिए लाभार्थियों का चयन स्वचालित चयन करने में किया जाएगा। दस्तावेज में कहा गया है कि जोखिम को विफल करने और संवेदनशील और महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा करने के लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने सूचना सुरक्षा नीति पर काम करने की योजना बनाई है और उपयुक्त साइबर सुरक्षा ढांचे के निर्माण की भी परिकल्पना की है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की आयुक्त सचिव प्रेरणा पुरी ने कहा कि डेटाबेस बनाने का उद्देश्य यह है कि परिवारों या व्यक्तियों प्रत्येक वैयक्तिक योजना के तहत लाभ हासिल करने के लिए आवदेन करना होगा। उन्होंने कहा कि डेटाबेस, हरियाणा के 'परिवार पहचान पत्र' के अनुरूप होगा, जिसमें परिवारों या व्यक्तियों को प्रत्येक व्यक्तिगत योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक बार 'जेके फैमिली आईडी' डेटाबेस की जानकारी प्रमाणित और सत्यापित हो जाने के बाद, किसी लाभार्थी को सेवा का लाभ उठाने के लिए कोई और दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने प्रस्तावित कदम की निंदा की। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता और पूर्व विधायक रविंदर शर्मा ने सरकार की मंशा और ऐसे डिजिटल डेटाबेस को साइबर हमलों से बचाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठाया। शर्मा ने कहा, 'सरकार हर चीज में झांकना क्यों चाहती है? उनके पास पहले से ही आधार के माध्यम से पर्याप्त जानकारी है और प्रत्यक्ष नकद अंतरण(डीबीटी) माध्यम से लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।' चीन संस्थानों द्वारा साइबर हमले और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सर्वर पर रैंसमवेयर हमले का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे में लोगों की निजी जानकारी की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती है। नेशनल कांफ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने इस कवायद को 'संसाधनों का अनुत्पादक उपयोग' करार दिया।

पीडीपी ने सवाल किया कि सरकार इस डेटाबेस के जरिए किसकी पहचान करना चाहती है। पीडीपी नेता वीरेंद्र सिंह सोनू ने कहा, 'जम्मू कश्मीर में बहुत सारी समस्याएं हैं जिन्हें सरकार नजरअंदाज कर रही है। अब सरकार इस डेटाबेस के जरिए किसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है?' हालांकि, भाजपा ने इस कदम का स्वागत किया और कहा कि जिन लोगों को विभिन्न लाभ और प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कतारों में खड़ा होना पड़ता है, वे सत्यापित डेटाबेस तैयार होने के बाद लाभान्वित होंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

128वें और 129वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार में

डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 मसौदे के माध्यम से आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) में संशोधन पर हुई विस्तार से चर्चा

प्रस्तावित डाटा प्रोटेक्शन बिल द्वारा आरटीआई कानून में संशोधन पर सूचना आयुक्तों ने जाहिर की चिंता

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी ने बिल को बताया पारदर्शिता पर गहरा आघात, मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह ने कहा आम व्यक्तिको अब आसानी से नहीं मिलेगी जानकारी

देश के तमाम उपस्थित आरटीआई कार्यकर्ताओं ने जाहिर की चिंता, कहा सरकार वापस ले डीपीडीपी बिल की धारा 29(2) और 30(2) के प्रावधान।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रस्तावित डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 के माध्यम से सूचना के अधिकार कानून 2005 में प्रस्तावित किए जाने वाले फेरबदल को लेकर प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार में उपस्थित विशेषज्ञों और पूर्व सूचना आयुक्तों ने चिंता जाहिर की है। गौरतलब है कि डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 का जो मसौदा तैयार किया जा कर जनता के लिए फीडबैक के लिए वेब पोर्टल पर रखा गया है उसको पढ़ने के बाद यह स्पष्ट होता है की डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 की धारा 29(2) और 30(2) में जो प्रावधान किए गए हैं उसमें आरटीआई कानून पर बड़े पैमाने पर बदलाव हो जाएगा। निजता और व्यक्तिगत जानकारी के नाम पर आरटीआई कानून में यदि संशोधन हो जाता है तो आने वाले समय में आम व्यक्ति को सामान्य जानकारी के लिए भी भटकना पड़ेगा और जानकारी नहीं मिल पाएगी।

यह बात कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप, वर्तमान मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह, आईटी एक्सपर्ट एवं उत्तराखंड से आरटीआई रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार ठक्कर, आरटीआई कार्यकर्ता देवेंद्र अग्रवाल, अधिवक्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट नित्यानंद मिश्रा एवं सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी सहित उपस्थित देश के विभिन्न कोनो से सम्मिलित हुए आरटीआई एक्टिविस्ट और कार्यकर्ताओं के द्वारा कही गई।

कार्यक्रम में विशेष तौर से पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सरकार आरटीआई कानून को समाप्त करने का प्रयास कर रही है। इसके पहले आर टी आई कानून में किए गए संशोधन में सूचना आयुक्तों की शक्तियों को घटाकर आरटीआई पर कुठाराघात किया गया।

आम जनता के लिए जो भी थोड़ा बहुत साधन बचा हुआ था डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 के मसौदे से यह स्पष्ट है कि इस कानून के लाए जाने के बाद कोई भी लोक सूचना अधिकारी व्यक्तिगत जानकारी के नाम पर आरटीआई आवेदको और आम जनमानस को जानकारी देने के लिए बाध्य नहीं होगा और उस पर अपील के दौरान सूचना आयुक्तों के पास भी शक्तियां नहीं होंगी की आम जनता को जानकारी दिलवा दें।

संसद और विधायिका को दी जाने वाली जानकारी आम जनता को दी जानी चाहिए

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेष गांधी, मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह एवं पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने परिचर्चा के दौरान कहा की आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) में यह प्रावधान था कि जो जानकारी लोक सूचना अधिकारी ऐसा मानता है कि व्यापक लोकहित से संबंधित है और वह जानकारी लोकसभा और विधानसभा को दी जानी चाहिए ऐसी जानकारी आम जनता को भी दी जानी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से प्रस्तावित डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 की धारा 29(2) एवं 30(2) के माध्यम से किए जाने वाले आरटीआई कानून में संशोधन के बाद आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) को ही खत्म कर दिया जाएगा और इससे आम जनता को अब कोई भी जानकारी नहीं मिल पाएगी। उपस्थित सूचना आयुक्तने यहां तक कहा कि अब ऐसे में सूचना आयुक्तके पास भी कोई शक्तिनहीं रहेगी जिससे वह आम जनता को कोई जानकारी उपलब्ध करवा पाए क्योंकि ज्यादातर जानकारियां व्यक्तिगत जानकारी और निजता के नाम पर रोक दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि अभी तक यदि लोक सूचना अधिकारी यह जानकारी नहीं देते थे तो अपील के दौरान सूचना आयुक्तलोक सूचना अधिकारियों के ऊपर जुर्माना और अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए आदेश दे देते थे लेकिन चूंकि अब कानून के तौर पर डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 ऐसे लोक सूचना अधिकारियों के लिए ढाल का काम करेगा और वह सीधे व्यक्तिगत जानकारी के नाम पर अधिकतर जानकारियां आवेदकों को उपलब्ध नहीं करवाएंगे।

मीडिया को आगे आकर डाटा प्रोटेक्शन बिल में आरटीआई कानून के संशोधन पर सवाल उठाने की मांग

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी एवं मध्य प्रदेश के वर्तमान राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह एवं पूर्व सूचना आयुक्त आत्मदीप सहित अन्य उपस्थित आरटीआई कार्यकर्ताओं एवं विशेषज्ञों ने कहा कि आम जनता को डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 के मसौदे के माध्यम से सूचना के अधिकार कानून 2005 की धारा 8(1)(जे) और ओवरराइडिंग इफेक्ट खत्म किए जाने का जो प्लान सरकार का है उसके विरुद्ध जनता एवं मास मीडिया को आवाज उठानी चाहिए। यदि समय रहते आवाज नहीं उठाई जाएगी और सरकार यह कानून लागू कर देती है तो न केवल आम जनता बल्कि मीडिया को भी जानकारी आसानी से नहीं मिलेगी।

डाटा प्रोटेक्शन बिल के बाद यदि मीडिया अनाधिकृत न्यूज छापेगी तो कार्यवाही का खतरा

आलम यह है की डाटा प्रोटेक्शन बिल 2022 के प्रस्तावित मसौदे में यदि आरटीआई कानून 2005 में प्रस्ताव अनुसार संशोधन कर दिया जाता है, तो इससे न केवल आम जनता को जानकारी हासिल करने में कठिनाई होगी बल्कि मीडिया भी जो खबरें कई बार अनाधिकृत तौर पर कार्यालयों से दस्तावेज प्राप्त कर छाप दिया करती है उस पर भी कार्यवाही का खतरा बना रहेगा। अभी तक अमूमन यह होता था कि कई बार समाचार छापने के लिए बिना आरटीआई आवेदन लगाए ही यदि किसी कार्यालय के बाबू अथवा अधिकारी से कोई समाचार मिल जाती थी तो छप जाया करती थी लेकिन डाटा प्रोटेक्शन के नाम पर यदि छापी गई समाचार किसी व्यक्तिगत जानकारी और निजता से संबंधित है और यदि इस पर कार्यवाही हो जाती है तो ऐसे में मीडिया संस्थान भी उस कार्यवाही के दायरे में आ जाया करेंगे और यह बहुत आसानी से मीडिया के फ्रीडम आफ प्रेस, फ्रीडम आफ एक्सप्रेशन, और पर कतरने का सफल प्रयास होगा। ऐसे में मात्र एक ही तरीका है कि डाटा प्रोटेक्शन बिल के वर्तमान मसौदे में तत्काल सरकार बदलाव करे और किसी प्रकार से आरटीआई कानून के साथ छेड़छाड़ न करे। सूचना के अधिकार कानून के लिए निरंतर काम काम करने वाले पूरे देश के कार्यकर्ताओं ने इस पर चिंता जाहिर की है और इसे सरकारी सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा कुठाराघात करार दिया है।